MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-24 ❖ मुंबई ❖ रविवार 05 से 11 जून 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

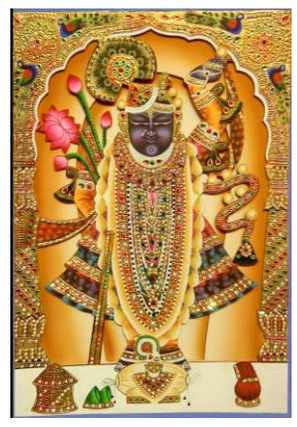

पेज 3
मुंबई में बेवजह हॉर्न बजाने वालों की शामत, पुलिस ने 2765 वाहन चालकों का काटा चालान

पेज 5
सुप्रीमो कप 2022 ट्राइडेंट नवी-मुंबई के नाम रही, ग्रैंड फाइनल में अनु मलिक, क्रिकेटर संजय मांजरेकर की उपस्थिति

पेज 7
फिल्म सौकन सौंकने की सफलता के राज का सरगुन मेहता ने किया खुलासा

पेज 8
मुंबई में कोरोना के मामले 30 गुना बढ़े, उद्धव ठाकरे की चेतावनी, लॉकडाउन नहीं चाहिए तो करें कोविड नियमों का पालन

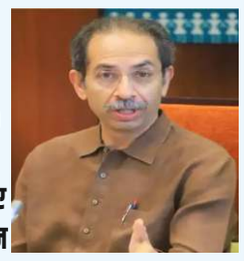

एक नजर

अब हम इतिहास को भारत के दृष्टिकोण से देख रहे हैं : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को 'सम्राट पृथ्वीराज' फिल्म देखी और कहा कि अब हम इतिहास को भारत के दृष्टिकोण से देख रहे हैं। उन्होंने अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर अभिनीत इस फिल्म को "विश्व स्तरीय" बताया। आरएसएस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ फिल्म देखने के बाद भागवत ने कहा, "यह तथ्य-आधारित फिल्म है और यह सही संदेश देती है, जिसकी आज देश को आवश्यकता है। हम दूसरों के द्वारा लिखे गए अपने इतिहास को पढ़ते थे। अब हम इतिहास को भारत के नजरिए से देख रहे हैं।

भारत में शाओमी का कारोबार संभालेंगे एल्विन त्से

नई दिल्ली। स्मार्ट फोन बनाने वाली कंपनी शाओमी ने शुक्रवार को भारतीय इकाई के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की घोषणा की और देश के कारोबार का प्रभार अपने वैश्विक संस्थापक टीम के सदस्य एल्विन त्से को सौंप दिया। यह पहल ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा विनिमय कानून का उल्लंघन का आरोप लगाया है। ईडी ने 29 अप्रैल को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के कथित उल्लंघन पर शाओमी इंडिया के 5,551 करोड़ रुपये से अधिक के कोष को जब्त करने का आदेश पारित किया, जिस पर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा करेंगे विदेशी राजनयिकों से संवाद

नई दिल्ली। भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में 'भाजपा को जानो' पहल की तीसरी कड़ी में नौ देशों के राजनयिकों से संवाद करेंगे। भाजपा की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक इस संवाद कार्यक्रम में रूस, तुर्की, ताजिकिस्तान, क्यूबा और अल्जीरिया सहित नौ देशों के राजनयिक हिस्सा लेंगे।

वायु सेना ने हवाई अड्डा प्राधिकरण को रक्षा भूमि सौंपी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना को लागू करने में मदद के लिए भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण को सात स्थानों पर रक्षा भूमि सौंपी है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जिन स्थानों पर भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण को रक्षा भूमि सौंपी हैं, उनमें बागडोगरा, दरभंगा, आदमपुर, उतरलाई, सरसावा, कानपुर और गोरखपुर शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' दृष्टिकोण के अनुरूप और क्षेत्रीय संपर्क योजना में मदद के लिए सात स्थानों पर एएआई को रक्षा भूमि सौंपी गई है।

महाराष्ट्र में 24 साल बाद होंगे राज्यसभा चुनाव

6 सीटों के लिए 7 उम्मीदवार मैदान में उतरे, 'हॉर्स ट्रेडिंग' से बचने शिवसेना ने अपने विधायकों को होटल में ठहराने का निर्णय लिया

महाराष्ट्र में 10 जून को होने वाले राज्यसभा 6 सीटों पर होने वाले चुनावों से पहले 'हॉर्स ट्रेडिंग' की आशंका बढ़ गई है। इसे देखते हुए शिवसेना ने ऐसी किसी भी आशंका से बचने के लिए अपने विधायकों को मुंबई बुलाने और उन्हें एक होटल में ठहराने का निर्णय लिया है। असल में राज्य की 6 सीटों के लिए 7 उम्मीदवार मैदान में हैं।

शुक्रवार को नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन था, इसी वजह से यह मुकाबला दिलचस्प हो गया है। विधायकों को एक जगह जमा करने पर शिवसेना के नेता अनिल देसाई ने कहा कि यह (चुनाव से पहले विधायकों को बुलाना) सामान्य प्रथा है।

शिवसेना ने दिया था राज्यसभा चुनाव टालने का प्रस्ताव

संजय राउत ने कहा की हम राज्यसभा चुनाव की तारीखों को टालना चाहते थे ताकि खरीद-फरोख्त न हो। बीजेपी की मंशा साफ है, वे पैसे और केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल पर्यावरण को तबाह करने के लिए करना चाहते हैं। संजय राउत ने बीजेपी को चेतावनी देते हुए कहा की हम यहां सत्ता में हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा की राज्यसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के 4 उम्मीदवार हैं और वह 4 जगहों पर जीत कर आएंगे। छठे सीट के बारे में जिन्हें आशंका है उसमें हमारे शिवसेना के उम्मीदवार अच्छे मतों से जीतकर राज्यसभा जाएंगे और हमने कल तक कोशिश की कि चुनाव को टाल दिया जाए लेकिन BJP की मंशा दिखती है कि केंद्रीय जांच एजेंसी और पैसे की ताकत पर महाराष्ट्र का माहौल खराब करे।

बीजेपी ने तीन उम्मीदवार मैदान में उतारे

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन उम्मीदवारों केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनिल बोंडे और धनंजय महाडीक को जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने प्रफुल्ल पटेल को उम्मीदवार बनाया है। शिवसेना की ओर से संजय राउत और संजय पवार उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने इमरान प्रतापगढ़ी को टिकट दिया है। यानी चार उम्मीदवार सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और तीन उम्मीदवार भाजपा से हैं। महाराष्ट्र से राज्यसभा की छठी सीट के लिए अब शिवसेना और भाजपा के बीच मुकाबला होगा।

24 साल बाद महाराष्ट्र में राज्यसभा चुनाव की नौबत आई

24 साल से अधिक समय में ऐसा पहली बार होगा, जब राज्य में राज्यसभा के लिए चुनाव होगा। इससे पहले ऐसा चुनाव 1998 में हुआ था, जहां पार्टी के पक्ष में पर्याप्त संख्या होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार राम प्रधान हार गए थे। 1998 में, गुप्त मतदान प्रणाली के अनुसार चुनाव हुआ था, जबकि इस बार मतदाताओं (विधायकों) को अपना मत मतपेटी में डालने से पहले पार्टी सचेतक को दिखाना होगा।

देवेंद्र फडणवीस से मिल MVA के नेता

समय सीमा समाप्त होने से पहले, महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के तीन-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार सुबह यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और अनुरोध किया कि उनकी पार्टी अपने तीसरे उम्मीदवार को वापस ले ले।

कोरोना केस बढ़ने के बाद महाराष्ट्र में अलर्ट, मुंबई-पुणे से लेकर इन शहरों में मास्क पहनने की अपील

मुंबई : महाराष्ट्र में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। देश में मिल रहे कुल कोविड मामलों में 60 से 70 फीसदी केस महाराष्ट्र और मुंबई से मिल रहे हैं। इधर सरकार ने चिंता जाहिर करके हुए लोगों को चेतावनी जारी करते हुए मास्क लगाने की अपील की है। एक हफ्ते के अंदर महाराष्ट्र के मुंबई समेत छह जिलों में केस कई गुना बढ़े हैं। वहीं इस मामले में केंद्र की ओर से एक मेसेज भी जारी किया गया है। आपको बता दें कि 2 अप्रैल से ही सरकार ने कोविड नियम में पूरी तरह से ढील दी थी। राज्य के अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य) डॉ प्रदीप व्यास ने सभी जिला अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा कि बंद सार्वजनिक स्थानों जैसे ट्रेनों, बसों, सिनेमाघरों, सभागारों, कार्यालयों, अस्पतालों, कॉलेजों, स्कूलों में मास्क अवश्य लगाएं। बढ़ते मामले और केंद्र का पत्र के बाद महाराष्ट्र सरकार ऐक्शन में आई है।
26 अप्रैल के बाद सबसे ज्याद मौत राज्य में शुक्रवार को पुणे, सोलापुर और बीड में एक-एक मौत दर्ज की गईं। 26 अप्रैल के बाद से मरने वालों का यह सबसे ज्यादा आंकड़ा है। वहीं 1,134 कोविड केस शुक्रवार को दर्ज किए गए जो लगातार तीसरे दिन 1,000 से अधिक है। इन 1134 मामलों में अकेले मुंबई के 763 केस शामिल थे।

पुणे में शरद पवार ने की गडकरी की तारीफ

बोले-महाराष्ट्र की मदद करने वाला सिर्फ एक मंत्री

मुंबईः महाराष्ट्र में फिलहाल महाविकास अघाड़ी सरकार है। राज्य में आगामी 10 जून को राज्यसभा के चुनाव करवाये जाने हैं। ऐसे में राज्य का सियासी पारा भी काफी गर्म है। इस दौरान एमवीए और बीजेपी नेताओं के बीच में जुबानी जंग भी काफी तेज हो गयी है। इसी बीच एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने बीजेपी के आला नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में गन्ने का मसला हो या फिर शक्कर का या कोई अन्य समस्या। हर मौके पर मदद के लिए सामने आने वाले सिर्फ एक ही मंत्री हैं। जिनका नाम नितिन गडकरी है। शरद पवार ने पुणे के मांजरी स्थित वसंत दादा इंस्टीटूट में राज्य स्तरीय चीनी परिषद में यह बात कही। उन्होंने बताया कि पिछले साल

गन्ना उत्पादन में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर था। हालांकि इस बार महाराष्ट्र ने इस मामले में पहले पायदान में अपना कब्जा जमाया है। लिहाजा चीनी मिलों पर अतिरिक्त भार पड़ने की उम्मीद है। परिणामस्वरूप चीनी उत्पादन के और भी बढ़ने के आसार हैं। पवार ने कहा कि यदि मौसम ने साथ दिया और समय पर बारिश हुई तो गन्ने की खेती और भी अच्छी होगी। गन्ने की कटाई का भी नियोजन उचित नियोजन हो शरद पवार ने कहा कि इस वर्ष अभी गन्ने की कटाई के संदर्भ में उचित कदम उठाने होंगे। इस बार चीनी निर्यात भी ठीक हुआ है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी अच्छी तादात में उत्पादन की उम्मीद है। एक अंदाज के अनुसार 90 लाख टन से भी ज्यादा चीनी का निर्यात हुआ है। इसी दौरान 64 लाख टन चीनी निर्यात के संबंध में करार भी हुआ है। भारत ने इस साल 121 देशों में चीनी का निर्यात किया है। यह उपलब्धि पहली बार देश को मिली है।

...तो उत्पादन भी बढ़ेगा

शरद पवार ने कहा की किसानों को निश्चित रूप से दो पैसे दिलवाने वाली फसल नहीं है। गन्ने की फसल अच्छी हो इसके लिए काफी प्रयास करने पड़ते हैं। गन्ना विकास योजना ठीक से अमल में नहीं लाई जाती है। जिसका दुष्प्रभाव गन्ने की फसल पर होता है। पवार ने कहा कि यदि गन्ना विकास योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया तो उत्पादन में कई गुना बढ़ोतरी हो सकती है।

पवार ने यह भी कहा कि अब लगातार बिजली की मांग बढ़ रही है। जबकि उस मात्रा में कोयला नहीं बन पा रहा है। राज्य में 6 हज़ार मेगावॉट बिजली की कमी है। जिसकी वजह से बाहर से भी बिजली खरीदनी पड़ रही है।

मोहन भागवत बोले- हर मस्जिद में शिवलिंग ढूंढने की जरूरत नहीं

शिवसेना ने किया बयान का समर्थन

शिवसेना ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान का शुक्रवार को समर्थन किया कि "हर मस्जिद में शिवलिंग ढूंढने और प्रतिदिन एक नया विवाद खड़ा करने की जरूरत नहीं है." साथ ही, महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रही पार्टी (शिवसेना) ने कहा कि इसके बजाय मुख्य जोर इस बात पर होना चाहिए कि कश्मीरी पंडितों की जान कैसे बचाई जाए. शिवसेना सांसद संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि (कश्मीर) घाटी से कश्मीरी पंडितों के एक बार फिर से पलायन करने के मद्देनजर, 'कश्मीर फाइल्स 2' (फिल्म) के जरिए ये दिखाया जाना चाहिए उनकी मौजूदा दशा के लिए कौन जिम्मेदार है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' का समर्थन किया, जिससे इसके निर्माता को 400-500 करोड़ रुपये की कमाई करने में मदद मिली, लेकिन कश्मीरी पंडितों की स्थिति नहीं बदली.

कश्मीरियों की जान कैसे बचा सकते हैं

शिवसेना के राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, "मैं उनके (भागवत के) बयान का समर्थन करता हूं. रोज-रोज का शोर-शराबा खत्म होना चाहिए, नहीं तो यह देश को नुकसान पहुंचाएगा. शिवलिंग ढूंढने के बजाय हमें यह सोचना चाहिए हम कश्मीरियों की जान कैसे बचा सकते हैं...कश्मीरी पंडितों की जान कैसे बचाई जा सकती है."

जम्मू-कश्मीर में स्थिति गंभीर

उल्लेखनीय है कि, भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ज्ञानवापी विवाद में आस्था के कुछ मुद्दे शामिल हैं और इस पर अदालत का फैसला सर्वमान्य होना चाहिए और हर मस्जिद में शिवलिंग ढूंढने और प्रतिदिन एक नया विवाद खड़ा करने की जरूरत नहीं है. इस बीच, उन्होंने इस घटनाक्रम पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की एक आपात बैठक का जिक्र करते हुए जम्मू कश्मीर में स्थिति को 'सचमुच में गंभीर' करार दिया.

जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है

राउत ने कहा कि सरकार कोशिश कर रही है लेकिन स्थिति 1990 की ओर लौट रही है, जब कश्मीरी पंडितों ने सामूहिक रूप से घाटी से पलायन किया था. राउत ने दावा किया कि बीजेपी ने कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास का वादा कर वोट हासिल किये लेकिन अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को हटाने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों पर हमले हो रहे हैं और उनकी हत्या हो रही है लेकिन सरकार उन्हें सुरक्षा मुहैया करने के लिए कुछ नहीं कर रही है. राउत ने कहा कि यदि किसी अन्य पार्टी की सरकार होती तो बीजेपी ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया होता.

पीएम मोदी गुजरात को देंगे एक और सौगात, 10 जून को करेंगे अहमदाबाद का दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात को एक और सौगात देने वाले हैं। वे 10 जून को अहमदाबाद का दौरा करेंगे। यहां वे बोपल में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) के मुख्यालय का उद्घाटन करेंगे। इसे जून 2020 में केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। जानकारी के मुताबिक, IN-SPACe एक नोडल एजेंसी होगी, जो अंतरिक्ष गतिविधियों और गैर-सरकारी निजी संस्थाओं को अंतरिक्ष से जुड़ी सुविधाओं के विभाग के उपयोग की अनुमति देगी। इसका मकसद अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ज्यादा से ज्यादा निजी भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने ट्विटर हैंडल पर IN-SPACe मुख्यालय के उद्घाटन की घोषणा की। IN-SPACe के अध्यक्ष पवन गोयनका ने ट्वीट किया कि मुझे 10 जून 2022 को पौने चार बजे पीएम मोदी बोपल, अहमदाबाद में IN-SPACe मुख्यालय के उद्घाटन करेंगे। इसकी घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हम अंतरिक्ष क्षेत्र का विकास करने के लिए उद्योग और इसरो के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।

कोबेर्वैक्स को पहली मिक्स-एंड-मैच बूस्टर डोज के रूप में डीसीजीआई की मंजूरी, हाल ही में घटाई गई थी कीमत

भारत में घटते कोरोना मामलों के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। डीसीजीआई ने देश की पहली मिक्स एंड मैच बूस्टर खुराक के रूप में बॉयोलॉजिकल ई लिमिटेड की वैक्सीन को अनुमति दे दी है। वैक्सीन निर्माता कंपनी बॉयोलॉजिकल ई लिमिटेड ने शनिवार को इसकी घोषणा की है। डीजीसीआई ने बायोलॉजिकल ई की कोविड वैक्सीन कोर्बेवैक्स को 18 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए बूस्टर डोज के रूप में अनुमति दी है।
इससे पहले ही ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने पिछले साल 28 दिसंबर को वयस्कों में आपातकालीन स्थितियों में सीमित उपयोग के लिए अनुमति दी थी। साथ ही डीसीजीआई इस साल 9 मार्च को कुछ शर्तों के तहत 12 से 17 वर्ष की आयु वर्ग के लिए कोर्बेवैक्स को मंजूरी दी थी। बायोलॉजिकल ई के कोर्बेवैक्स का उपयोग 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के टीकाकरण के लिए किया जा रहा है।
प्रबंध निदेशक महिमा दतला ने जारी किया बयान बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड की प्रबंध निदेशक महिमा दतला ने कहा कि हम इस अनुमोदन से बहुत खुश हैं, जो भारत में COVID-19 बूस्टर खुराक की आवश्यकता को पूरा करेगा। उन्होने कहा कि भारत ने कोरोना टीकाकरण यात्रा में एक और मील का पत्थर पार कर लिया है। परीक्षण डेटा के अनुमोदन के बाद मिली अनुमति कंपनी के बयान में कहा गया है कि बायोलॉजिकल ई लिमिटेड ने मंजूरी के लिए डीसीजीआई को अपना परीक्षण डेटा सौंपा था। परीक्षण के आंकड़ों से पता चला है कि कॉर्बेवैक्स बूस्टर खुराक अन्य वैक्सीन की तुलना में ज्यादा प्रभावी है। बयान में कहा गया है कि कॉर्बेवैक्स पूरी तरह से बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड द्वारा टेक्सास चिल्ड्रन हॉस्पिटल और बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के सहयोग से निर्मित की गई है। गौरतलब है कि हाल ही में दवा निर्माता कंपनी बायोलॉजिकल ई ने निजी टीकाकरण केंद्रों के लिए कॉर्बेवैक्स वैक्सीन की कीमत में कमी की थी।

असम के सीएम सरमा का मनीष सिसोदिया पर पलटवार, कहा- मानहानि का मुकदमा करूंगा

इससे पहले मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने एक वेबसाइट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री सरमा ने कोरोना काल में भ्रष्टाचार किया था। इस पर सीएम सरमा ने पलटवार किया है।

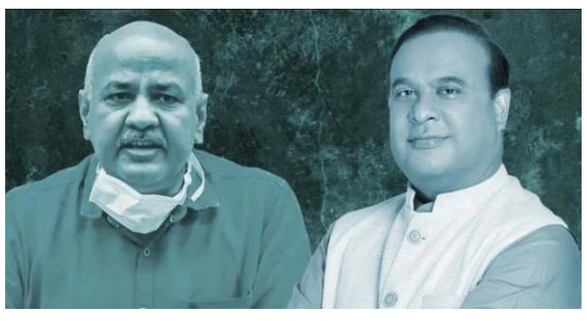

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन पर कार्रवाई के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर बड़ा आरोप लगाया। इस पर सीएम सरमा की ओर से पलटवार किया गया है।
उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी ने लोगों की जान बचाने के लिए करीब 1500 पीपीई किट दान की थी। एक बार मुझे दिल्ली के मुर्दाघर से एक असम के कोविड पीड़ित का शव लेने के लिए सात दिनों तक इंतजार करना पड़ा था। मैं आपके खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कहा गया कि कोरोना महामारी के दौरान जब हिमंत

बिस्वा सरमा असम के स्वास्थ्य मंत्री थे, तब उन्होंने राज्य के कोरोना पीड़ित का शव लेने के लिए मनीष सिसोदिया से संपर्क किया था। इस दौरान सात दिनों तक सिसोदिया या उनके दफ्तर की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। इससे पहले मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने एक वेबसाइट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री सरमा ने कोरोना काल में भ्रष्टाचार किया। मामला 2022 का है, जब वर्तमान सीएम राज्य में स्वास्थ्य मंत्री थे। उन्होंने कहा कि उस समय पीपीई किट खरीदने के ठेके उन्होंने बेटे के सहयोगियों और पत्नी को दिए। उन्होंने सवाल किया कि अब भाजपा बताए कि ऐसे मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई कब करेगी?

जाति जनगणना का प्रश्न

जैसी कि संभावना थी बिहार में हुई सर्वदलीय बैठक में जातिवार जनगणना के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। इसके बाद अब इसे कैबिनेट की मंजूरी मिलना एक औपचारिकता ही है। यानी तय हो गया कि केंद्र सरकार के स्पष्ट रुख के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भले जातिवार जनगणना होना मुमकिन न रह गया हो, बिहार सरकार अपने तई राज्य में यह गिनती करवाएगी। चाहे तकनीकी अड़चनों से बचने के लिए इसे औपचारिक तौर पर जनगणना न कह कर जातिवार गणना कहा जाए या इसी तरह का कोई और नाम दे दिया जाए, मामला यही है कि जब केंद्र सरकार ने कास्ट सेंसस की राह रोकी तो बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने इसके लिए एक नई राह निकाल ली। पर सवाल है कि क्या यह राह बिहार तक ही सीमित रहेगी? ऐसा लगता नहीं है। महाराष्ट्र में भी विधानसभा पिछले साल जातिवार जनगणना के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर चुकी है। तमिलनाडु की सरकार भी केंद्र से जातिवार जनगणना करवाने की

मांग कर चुकी है। अब जब बिहार इस राह पर आगे बढ़ चुका है तो इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि अन्य राज्य सरकारें भी इस दिशा में पहल करेंगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो सर्वदलीय बैठक के बाद बाकायदा यह उम्मीद जाहिर कर चुके हैं कि एक बार बिहार में यह प्रक्रिया पूरी हो जाए तो अन्य राज्य भी आगे बढ़ेंगे और पूरा देश कवर हो जाएगा। अगर कुछ राज्यों में भी ऐसा हुआ तो देश में किस तरह के हालात बनेंगे? क्या जैसा कि केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी के कई नेता कहते रहे हैं, इन राज्यों में जातिवार जनगणना से विभाजनकारी प्रवृत्तियां जोर पकड़ेंगी? और क्या इन राज्यों में बीजेपी का रुख बिल्कुल वैसा ही रहेगा जैसा बिहार में रहा? क्या जनगणना से जुड़े आंकड़ों में राज्यवार अंतर आगे चलकर कई और जटिलताओं को जन्म नहीं देंगे? क्या बीजेपी शासित राज्यों में भी सरकारें केंद्र के रुख से अलग जातिवार जनगणना के पक्ष में फैसला करेंगी? कुल मिलाकर, बिहार की इस पहल ने ढेरों सवाल खड़े कर दिए हैं। इन्हीं में एक बड़ा सवाल यह भी है कि केंद्र में सत्तारूढ़ कोई राष्ट्रीय पार्टी इतने महत्वपूर्ण मसले पर ऐसा ढीला-ढाला रुख कैसे अपना सकती है कि 'जातिवार जनगणना देश और समाज के हित में है या नहीं', इस सीधे सादे सवाल का भी पार्टी की सभी इकाइयां कोई एक स्पष्ट जवाब न दे सकें? वोट बैंक की राजनीति से जुड़ी विवशताओं का ही एक रूप शायद यह भी है। बहरहाल, बिहार की इस पहल ने साफ कर दिया है कि जातिवार जनगणना का यह प्रश्न केंद्र सरकार के स्पष्ट फैसले के बावजूद निपटा नहीं है। तमाम दलों और सरकारों को आगे इस बहस से निपटने की तैयारी जारी रखनी होगी ताकि दुविधा, संदेह और उलझन की स्थितियां भविष्य में उनसे गलत फैसले न करवा लें।

आतंक के निशाने पर

किरीट ए. चावड़ा

कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार की सुबह हुई स्कूल टीचर की हत्या ने एक बार फिर घाटी में नागरिकों, खासकर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा के सवाल को प्रमुखता से सामने ला दिया है। यह पिछले एक महीने में जम्मू-कश्मीर में टारगेटेड किलिंग की सातवीं घटना है। इनमें से चार मामलों में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया गया है। यह बात पहले से कही जाती रही है कि कश्मीर में बदले हालात को ध्यान में रखते हुए आतंकवादी टारगेटेड किलिंग का विकल्प चुन सकते हैं। इन घटनाओं का पैटर्न बताता है कि सोची-समझी रणनीति के तहत इन्हें अंजाम दिया जा रहा है।

आतंकी तत्व खास तौर पर कश्मीरी पंडितों को निशाना बना रहे हैं ताकि कश्मीर के बाहर यह संदेश जाए कि सरकार इस उत्पीड़ित समूह के लोगों को भी सुरक्षा नहीं दे पा रही। कारण चाहे जो भी हो, पर इन हत्याओं की वजह से जम्मू-कश्मीर और खासकर घाटी के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे कश्मीरी पंडित खुद को असुरक्षित पा रहे हैं। मंगलवार की घटना का शिकार हुई शिक्षिका के परिवार की बात करें तो उनके पति भी शिक्षक हैं और दोनों के परिजन काफी समय से उन पर दबाव डाल रहे थे कि वे जम्मू में आकर रहें। मगर सरकारी नौकरी न छोड़ पाने की मजबूरी के चलते दोनों इस दबाव को अनदेखा कर रहे थे। स्वाभाविक ही इस घटना ने पहले से चिंतित कश्मीरी पंडितों को और भी उद्वेलित कर दिया है।

उनकी यह मांग और तेज हो गई है कि उन्हें जल्द से जल्द रीलोकेट किया जाए। इस मांग के पीछे छिपी चिंता को समझा जा सकता है, लेकिन यह बात भी याद रखने की है कि आतंकी तत्वों का मकसद भी यही है। ऐसे में दोनों के बीच की इकलौती राह यह बचती है कि कश्मीर में न केवल शांति स्थापित की जाए बल्कि लोगों के बीच घर करती जा रही असुरक्षा की भावना दूर की जाए। यह काम जितना मुश्किल है, उतना ही समयसाध्य। वैसे राज्य प्रशासन अपनी ओर से भरपूर कोशिश कर रहा है।

घटना के बाद जारी आधिकारिक बयान में पुलिस विभाग का यह कहना महत्वपूर्ण है कि इस वीभत्स आतंकी कृत्य में शामिल आतंकवादियों की जल्दी ही पहचान करके उन्हें न्यूट्रलाइज कर दिया जाएगा।

आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति तो रखनी होगी, लेकिन जहां तक कानून-व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन और उनके सुरक्षाबोध का सवाल है तो इसका सबसे कारगर और दूरगामी उपाय है कानून पालन की भावना और समाज में सद्भाव बनाए रखने पर जोर।

आतंक उन्मूलन के उपाय जारी रखने के साथ ही लोकतंत्र और सद्भाव बहाली की कोशिशें ही कश्मीर को उस दलदल से बचा सकती हैं, जिसमें ले जाने की साजिशें आतंकी तत्व रच रहे हैं।

आठ सालों में कैसे सुधरी देश की सेहत

गणेश पाण्डेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने आठ साल के कार्यकाल के दौरान 'समग्र विकास' की परिकल्पना को जमीन पर उतारा है। 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' मोदी सरकार के शासन के मूल आधार रहे हैं। इसी कर्तव्य भावना से सैंकड़ों पहलें हुईं, जिनसे गरीबों के जीवन में नई रोशनी आई है।

इन आठ सालों में हेल्थ सेक्टर में ऐतिहासिक क्रांति हुई है। 2017 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लाकर देश के हेल्थ इकोसिस्टम को सही दिशा देना सुनिश्चित किया गया। मोदी सरकार ने 'स्वस्थ भारत' की बात की, तो उसमें सिर्फ दवा, अस्पताल और डॉक्टर ही नहीं हैं, बल्कि प्राथमिकता यह है कि नागरिक बीमार ही ना हों। इसके लिए योग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अगर कोई बीमार हो भी जाता है तो जांच और समयबद्ध उपचार की पूरी व्यवस्था है।

मरीजों को मुफ्त दवा एवं डायग्नोस्टिक सेवा आज बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराई जा रही है। देश के 50 करोड़ से अधिक लोगों को साल का 5 लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मुहैया करा रही है। वहीं भारत का प्रभावी कोविड मैनेजमेंट और वैक्सिनेशन अभियान दुनिया के लिए एक मिसाल बन गया है। देश के 12 साल से अधिक आयु वाले सभी नागरिकों को दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान 'सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन' के तहत 192 करोड़ से अधिक कोविड के टीके मुफ्त लग चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी की पहचान पूरी दुनिया में 'मेडिसिन मैन' की बनी है। उनके प्रयासों के चलते देश में 8,700 से ज्यादा जन औषधि केंद्रों पर 1,000 से अधिक जेनरिक और गुणवत्तापूर्ण दवाएं बाजार कीमत से 50 से 90 प्रतिशत कम पर उपलब्ध हैं। पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज पर जोर था लेकिन हेल्थ ऐंड वेलनेस सेंटर्स के जरिए बचाव पर जोर दिया गया। आज देश में ऐसे 1.18 लाख ऐसे सेंटर्स लोगों की सेवा कर रहे हैं। दिसंबर, 2022 तक पूरे देश में 1.5 लाख हेल्थ ऐंड वेलनेस सेंटर्स खोलने की योजना है।

लोगों के हेल्थ रेकॉर्ड को सही ढंग से रखने और इलाज की निर्णय प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन कुछ ही समय में दुनिया का सबसे बड़ा सिस्टम बनने जा रहा है। कोविड से सबक लेते हुए मोदी जी ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन लॉन्च किया है। इस पर तकरीबन 65,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। हर जिले में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर तकरीबन 100 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है।

15वें वित्त आयोग से मोदी सरकार ने स्थानीय निकायों को सीधे पैसे देने की शुरुआत की है। एनडीए सरकार के कार्यकाल में एमबीबीएस सीटें 75 प्रतिशत बढ़कर तकरीबन 90,000 तो पोस्ट ग्रैजुएट की सीटें दोगुनी होकर 60,000 से अधिक हो गई हैं। मेडिकल कॉलेज भी तकरीबन 600 और एम्स 6 से बढ़कर 22 हो गए हैं। यह सर्वविदित है कि बीमारी और गरीबी का सीधा संबंध है। गरीबी हटानी है तो पहले बीमारी हटानी होगी। गरीबों को स्वस्थ जीवन देने के लिए करीब 10 करोड़ घरों में शौचालय बनाए गए। 2.6 करोड़ घरों को बिजली का मुफ्त कनेक्शन, 9.5 करोड़ से अधिक घरों में जल जीवन मिशन के तहत नल से पीने का स्वच्छ जल दिया गया। 9.17 करोड़ महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए। कोविड के दौरान गरीब भूखा न सोए, इसलिए तकरीबन 80 करोड़ लोगों को पिछले दो साल से अधिक वक्त से मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

अमृत काल में मोदी जी के 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के मंत्र के साथ देश का स्वास्थ्य क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इस विकास यात्रा में देश के 140 करोड़ लोग लाभान्वित हों। आने वाले 25 सालों में भारत दुनिया के लिए स्वास्थ्य सुविधा का केंद्र बने, उस दिशा में भी हम 'हील इन इंडिया' और 'हील बाइ इंडिया' पर काम कर रहे हैं। 'स्वस्थ भारत' केवल नारा नहीं, बल्कि गरीबों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जिद है।

क्या चारधाम यात्रा में भीड़ घटाई जानी चाहिए

पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर और खबरों में केदारनाथ में फैले प्लास्टिक प्रदूषण की काफी चर्चा हुई। जो तस्वीरें आईं, उनसे लगता है कि केदारनाथ जाने वाले श्रद्धालुओं ने काफी मात्रा में प्लास्टिक की बोतलें और चीजें वहां फेंकीं। सोनप्रयाग में कार पार्किंग की एक फोटो वायरल हुई, जहां केदारनाथ और बद्रीनाथ जाने वाले श्रद्धालुओं की हजारों गाड़ियां लगी थीं। ऐसी पार्किंग आपको दिल्ली-मुंबई में भी जल्दी देखने को नहीं मिलेगी। खबरों में सोनप्रयाग का ट्रैफिक जाम भी है, महज एक किलोमीटर चलने में लोगों को घंटों लग रहे हैं। इसके चलते केदारनाथ-बद्रीनाथ के सबसे नजदीक के शहर में वायु प्रदूषण भी बढ़ा हुआ है।

नुकसान पहुंचाती भीड़

चारधाम यात्रा की यह स्थिति बहुत चिंताजनक है। पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों का मानना है कि धार्मिक स्थलों पर जितनी तेजी से श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है, वह अनसस्टेनेबल है। तो आज यह चर्चा जरूरी है कि ऐसी जगहों पर बने धार्मिक स्थलों पर कितने लोग जा सकते हैं। कैसे लोगों के जाने को कंट्रोल किया जाए, और वह संख्या क्या होगी? आज केदारनाथ में रोजाना कोई 12 से 13 हजार श्रद्धालु जाते हैं। इस संख्या को हम कितना कम कर सकते हैं?

चर्चा को आगे बढ़ाने से पहले इसके बैकग्राउंड पर एक नजर डाल लेना बेहतर होगा। जो बहुत ही सेंसिटिव जगहें हैं, जैसे कि अमरनाथ, केदारनाथ या फिर गंगोत्री-यमुनोत्री, उनका पर्यावरण बदल रहा है। सिर्फ अमरनाथ को लें तो पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण मंदिर के आसपास के ग्लेशियर काफी प्रभावित हो रहे हैं। इसके चलते अमरनाथ गुफा में मौजूद प्रतिष्ठित शिवलिंग का आकार लगातार कम होता जा रहा है। कई बार तो यात्रा समाप्त होने के पहले ही वह पूरी तरह से पिघल जाता है। ऐसा पिछले दस सालों से देखा जा रहा है। हालात ऐसे ही बने रहते हैं तो कुछ दशकों में ऐसा होगा कि श्रद्धालु वहां जाएंगे तो जरूर, लेकिन प्रार्थना करने के लिए वहां शिवलिंग नहीं होगा।

यह बहुत ही अच्छा उदाहरण है यह बताने के लिए कि हमारे धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या और ग्लोबल वॉर्मिंग का कैसा प्रभाव पड़ रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग तो ग्लोबल इश्यू है, पूरी दुनिया को इस पर काम करने की जरूरत है। लेकिन हम अपने धार्मिक स्थलों पर पर्यावरण और श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करके उन्हें बचा सकते हैं। वहां जिस तरह से कंक्रीट की इमारतें बना रहे हैं, यह एक बहुत ही सेंसिटिव इको सिस्टम से खिलवाड़ करने वाली बात है। सोनप्रयाग वाली पार्किंग मंदाकिनी नदी के तट पर बनी है। आपको याद होगा कि केदारनाथ में 2013 में किस तरह से भीषण बाढ़ आई थी, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई थी। कल को अगर मंदाकिनी में बाढ़ आती है तो वहां जितनी कार पार्किंग है, सब ध्वस्त हो जाएंगी, यह निश्चित है।

श्रद्धालुओं की संख्या की सीमा जानने के लिए कैरींग कपैसिटी स्टडी होती है। जैसे हर इंसान की एक कैरींग कपैसिटी होती है, वैसे ही हर जगह की भी होती है। यह क्षमता निर्भर करती है इस बात पर कि उस जगह में पानी कितना है, हवा कैसी है, तापमान कैसा है, उस चैनल में जंगल कैसे हैं, जमीन कैसी है। कश्मीर यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग ने अमरनाथ की पूरी लेंटर घाटी की कैरींग कपैसिटी की स्टडी की। उसमें उन्होंने देखा था कि पानी कितना है, जो इंसान जाएगा, उसके मल-मूत्र का डिस्पोजल कैसे हो सकता है। कितने प्लास्टिक और कूड़े का मैनेजमेंट हो सकता है। उन्होंने पाया कि रोजाना चार से साढ़े चार हजार यात्री अमरनाथ जा सकते हैं। इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए बीस हजार से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। अक्सर यह संख्या लाखों में पहुंचती है। अब अगर हमें चारधाम बचाने हैं तो वहां पर यात्रियों की संख्या तुरंत एक तिहाई से भी कम करनी होगी।

कोई सवाल कर सकता है कि ऐसे तो आप लोगों के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। दूसरा सवाल यह होगा कि अगर संख्या कम करेंगे तो अमीर जाएंगे और गरीब नहीं जा पाएगा। लेकिन इसके लिए उपाय हैं। पहली बात यह है कि चार धाम में आज भी संख्या नियंत्रित की जाती है। वहां के लिए आपको रजिस्ट्रेशन कराना होता है। अमरनाथ में दस से बारह हजार, केदारनाथ-बद्रीनाथ में कोई सोलह हजार तो यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब में कुल पांच हजार लोग रोजाना जा सकते हैं। सरकार आज भी नंबर कंट्रोल करती है। पर बात यह है कि जितने लोगों की आज अनुमति है, वह संख्या अनसस्टेनेबल है। इस संख्या से भी यहां का पर्यावरण बहुत तेजी से खराब होगा।

दूसरा सवाल अमीर-गरीब का है तो गरीबों के लिए हम यह कर सकते हैं कि वहां का आधा कोटा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए हो, और बाकी का आधा पैसे वालों के लिए हो। अमीर लोग अगर अमरनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री या गंगोत्री के दर्शन करना चाहते हैं, तो ज्यादा पैसा दें। उस पैसे से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को वहां पर सब्सिडी दी जा सकती है। यह कोई नई पॉलिसी नहीं है। यह हमारी इकॉनमिक पॉलिसी है। आज भी अमीर ज्यादा टैक्स देता है, गरीब कम देता है। आज के दिन भी गरीब को पैसे बैंक में ट्रांसफर किए जाते हैं चाहे वह किसी तरह की सब्सिडी का पैसा हो या किसी अन्य कल्याणकारी योजना का।

भूटान से सीखें

दुनिया भर के देशों की पर्यटन पॉलिसी में इस तरह की चीजें आ रही हैं। हमारा पड़ोसी देश भूटान इसका अच्छा उदाहरण है। भूटान में अंदर जाने के लिए पंद्रह से बीस हजार रुपये सस्टेनेबल डिवेलपमेंट के लिए देने होते हैं। भूटान ऐसे अपना पर्यावरण बचा रहा है। हमें भूटान से सीखने की जरूरत है, हम उससे बेहतर कर सकते हैं। हम भी संख्या कंट्रोल करें, सस्टेनेबल डिवेलपमेंट के लिए फीस लें, और वहां का पर्यावरण बचाएं, तभी चारधाम सही मायने में चारधाम रहेगा। नहीं तो बस कुछ ही सालों की बात है, सब खराब हो जाएगा।

मुंबई में बेवजह हॉर्न बजाने वालों की शामत, पुलिस ने 2765 वाहन चालकों का काटा चालान

मुंबई:मुंबई यातायात पुलिस ने बुधवार को आयोजित 'नो हॉन्किंग' अभियान के पहले दिन 2,700 से अधिक मोटर चालकों के खिलाफ कार्रवाई की थी। पुलिस आयुक्त संजय पांडेय के आदेश पर ट्रैफिक पुलिस ने अनावश्यक रूप से हॉर्न बजा कर ध्वनि प्रदूषण करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। दहिसर ट्रैफिक पुलिस से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शहर की कुछ प्रमुख सड़कों पर चलाए गए अभियान के पहले दिन 2,764 मोटर चालकों को दंडित किया गया है। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, नए नियम के लागू होते ही यह 1,000 रुपये तक वसूल किया जा सकता है। यातायात पुलिस ने 9 जून से गाड़ी चालक और उस पर बैठे दूसरे व्यक्ति को हेल्मेट पहनना अनिवार्य किया है। अगर नियम का पालन नहीं किया गया, तो खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। हालांकि, डीसीपी राज तिलक रौशन ने कहा कि इस बारे में यातायात पुलिस लोगों को हेल्मेट के नियम की जानकारी दे रही है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे बिना हेल्मेट पहन कर गाड़ी नहीं चलाएं।

एसआरपीएफ जवान ने पहले साथी को मारी गोली, फिर खुद भी की आत्महत्या

मुंबई: महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में राज्य रिज़र्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के जवान ने अपने सहयोगी की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी और फिर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार की शाम करीब साढ़े चार बजे गढ़चिरौली की अहेरी तहसील के मरपल्ली थाना क्षेत्र की है। अहमदनगर जिले के रहने वाले थे दोनों जवान एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआरपीएफ ग्रुप के एक (पुणे) के एक जवान ने अपने साथी जवान पर गोली चला दी। इसके बाद फिर अपनी सर्विस राइफल से खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में दोनों जवानों की मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि श्रीकांत बेराद (35) ने अपने साथी जवान बंदू नौथर (33) पर कथित तौर पर गोली चला दी। दोनों राज्य के अहमदनगर जिले के रहने वाले थे। गोली चलाने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

गोंदिया: एफडीसीएम के वनक्षेत्र में मृत मिले अनेक पक्षी

गोंदिया. वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्था सेवा के कार्यकर्ताओं को 31 मई की शाम को फिल्ड सर्वे के दौरान एफडीसीएम जांभड़ी वन क्षेत्र के कंपार्टमेंट नंबर 509 में विविध प्रजाति के कुल 16 पक्षी मृत अवस्था में दिखाई पड़े। इन पक्षियों में 12 ट्री पाई, 1 शिक्रा, 1 इरोशियन स्पेरोहॉक, 1 वाइट थ्रोटेड किंगफिशर एवं 1 का ॅमन मैना पक्षी का समावेश है। यह सभी पक्षी एक सूखे हुए प्राकृतिक पानी के स्रोत के पास मृत अवस्था दिखाई दिए। इसकी सूचना संस्था के पदाधिकारियों की ओर से एफडीसीएम के वन अधिकारियों को भी दी गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इन पक्षियों की मौत या तो किसी प्रकार की विषबाधा से अथवा हीटस्ट्रोक से होने की आशंका है।

बीमारी पर नियंत्रण को लेकर स्वास्थ्य विभाग सजग

गोंदिया. मानसून की बात सामने आते ही अनेक बीमारी व संक्रामक रोग होते हैं। बारिश में जलजन्य बीमारियों से स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम होता है। बारिश में होने वाली बीमारियों से नागरिकों का संरक्षण करने के लिए गोंदिया स्वास्थ्य विभाग सजग होकर चिकित्सा अधिकारी समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मचारियों को मलेरिया संबंधी आईडीएसपी विशेष सा ॅफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं बीमारी के किसी भी तरह के लक्षण होने पर अलर्ट मिलेगा। जिससे बीमारियों को तत्काल नियंत्रण में लाने में मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि, बारिश का मौसम नजदीक आ गया है। बारिश के दिनों में बीमारियों का फैलाव अधिक होता है।

बारिश में मलेरिया फैलकर स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी जाती है। इस वर्ष मानसून समय के पहले आने का अनुमान है।

राज ठाकरे को कानूनी शिकंजे में फांसने को तैयार उद्धव सरकार, गैर जमानती वारंट के बाद एक और FIR

मुंबई: महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के अध्यक्ष राज ठाकरे के खिलाफ औरंगाबाद पुलिस ने मंगलवार को एफआईआर दर्ज की है। महाराष्ट्र के डीजीपी रजनीश सेठ ने चेतावनी दी है कि जो लोग भी राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ेंगे, उनके खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। मुंबई पुलिस ने एमएनएस के मुंबई ऑफिस से लाउडस्पीकर जब्त किए हैं। औरंगाबाद में राज ठाकरे के खिलाफ सिटी चौक पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। इसमें कुछ आयोजकों को भी आरोपी बनाया गया है। 1 मई यानी महाराष्ट्र दिवस के दिन राज ठाकरे ने औरंगाबाद में एक जनसभा को संबोधित किया था।

वहां कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया था। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को धमकी दी थी कि राज्य की सभी मस्जिदों से 3 मई तक लाउडस्पीकर हट जाने चाहिए, नहीं तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ता मस्जिदों के आगे दोगुनी आवाज में हनुमान चालीसा बजाएंगे। उन्होंने शरद पवार पर भी निशाना साधा था और कहा था कि एनसीपी सुप्रीमो जातिवाद की राजनीति करते हैं। राज ठाकरे के पूरे भाषण की लोकल पुलिस ने विडियोग्राफी की। उसे कई बार सुना और फिर लीगल टीम की ओर से भाषण को आपत्तिजनक पाने के बाद उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई। महाराष्ट्र गृह मंत्रालय की तरफ से राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका में समीक्षा बैठक भी की गई। मंगलवार को हुई इस बैठक में महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल, डीजीपी रजनीश सेठ और मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडेय भी शामिल हुए।

13 हजार से ज्यादा को भेजे गए नोटिस

मीटिंग के बाद डीजीपी रजनीश सेठ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और बताया कि जो भी लोग कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ेंगे, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ में यह भी कहा कि महाराष्ट्र पुलिस कानून-व्यवस्था से जुड़ी किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। राज्य में एसआरपीएफ और होमगार्ड तैनात किए गए हैं।

डीजीपी ने बताया कि पूरे राज्य में 13 हजार से अधिक लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। मुंबई में एमएमएस के 100 से ज्यादा लोगों सीआरपीसी की धारा 149 वाले नोटिस भेजे गए हैं। इनमें नितिन सरदेसाई और बाला नांदगांवकर के नाम प्रमुख हैं। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को पार्टी के चांदिवली ऑफिस में रेड डाली। वहां से लाउडस्पीकर जब्त किए और पार्टी के यूनिट चीफ महेंद्र भानुशली सहित कई लोगों को हिरासत में भी लिया।

14 साल पुराने केस में बढ़ी मुश्किलें

राज ठाकरे की मुसीबत सिर्फ औरंगाबाद में दर्ज एफआईआर से ही नहीं बढ़ी है। सांगली कोर्ट ने भी राज ठाकरे के खिलाफ गैर जमानती वॉरंट जारी किया है और मुंबई पुलिस कमिश्नर से इस पर एक्शन लेने को कहा है। मामला साल 2008 का है। एमएनएस कार्यकर्ताओं ने बीड के परली इलाके में राज्य परिवहन निगम की बसों पर पथराव किया था। इस मामले में दर्ज किए गए मुकदमे में राज ठाकरे को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया था। राज ठाकरे तब से लेकर अब तक एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। जमानत के बावजूद लगातार तारीखों पर गैरहाजिर रहने की वजह से उनके खिलाफ अदालत ने गैर जमानती वॉरंट जारी किया गया है।

100 करोड़ रिश्वत मामले में बुरे फंसे अनिल देशमुख, सीबीआई ने दायर की 49 पेज की चार्जशीट

मुंबई: सीबीआई ने गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और दूसरे लोगों के खिलाफ 49 पेज की चार्जशीट दाखिल की। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए 100 करोड़ रुपये के रिश्वतखोरी के मामले में चार्जशीट दायर की गई है। एक दिन पहले ही मुंबई की एक विशेष अदालत ने बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की सरकारी गवाह बनने की याचिका को स्वीकार किया था।

देशमुख और उनके निजी सहयोगियों पर गंभीर आरोप

सीबीआई ने देशमुख और उनके निजी सहयोगियों संजीव पलांडे और कुंदन शिंदे के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के प्रावधानों के तहत आरोप दायर किए हैं। पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार किए गए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता देशमुख (71) वर्तमान में मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं और शहर की आर्थर रोड जेल में बंद हैं। मामले की जांच एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) कर रहा है।

सचिन वाजे बना 'तुरुप का इक्का'

अप्रैल में सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामले की जांच के लिए देशमुख, उनके सहयोगियों पलांडे और शिंदे तथा बर्खास्त पुलिसकर्मी सचिन वाजे को हिरासत में लिया था।

गोंदिया: हैंडपंप मरम्मत से जुड़े 193 कार्यों को मिली प्रशासकीय मंजूरी

गोंदिया. जलसंकट कृति प्रारूप अंतर्गत जिला कार्यक्षेत्र में गाद जमे हुए बंद स्थिति के हैंडपंप तथा कुएं ओटे टूटे अवस्था में होने के कारण उसकी मरम्मत करने के 46 लाख 9 हजार 532 रुपए के 193 कामों को जिलाधिकारी नयना गुंडे ने प्रशासकीय मान्यता प्रदान की है। इन कामों से जलस्तर बढ़ने में मदद होगी। जल संकट कृति प्रारूप 2021-22 चरण 2 अंतर्गत गोंदिया जिले के सड़कअर्जुनी, गोरेगांव, देवरी व गोंदिया तहसील के 193 गांव व ग्राम पंचायत के कुओं की प्लशिंग सफाई कर टूटे ओटे की मरम्मत कर पुनर्जीवित करने के लिए जिलाधिकारी के पास मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद गोंदिया ने सिफारिश सहित प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव को जिलाधिकारी ने 30 मई को एक आदेश के माध्यम से मान्यता प्रदान की है।

अपने पसंदीदा नृत्यृ को लेकर मॉनी रॉय ने बताया सच

मुंबई। डीआईडी लिटिल मास्टर्स में जज के रूप में नजर आने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय ने अपने पसंदीदा नृत्यृ कथकली को लेकर खुलकर बात रखी हैं। अभिनेत्री कहती है कि कथकली एक नृत्य रूप है जिसमें कहानी सुनाना शामिल है। इस वीकेंड में भी दर्शकों को बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर गीता कपूर और टेरेंस लुईस के साथ डीआईडी लिटिल मास्टर्स के जजों के साथ शो की शोभा बढ़ाई जाएगी।

'बेस्ट' के बहाने बढ़ गई पुलिस वालों की सैलरी, जानें कितना हुआ इजाफा

मुंबई: जून से मुंबई पुलिसकर्मियों का वेतन 2700 से 5200 रुपये तक बढ़ गया है, लेकिन इस बढ़े वेतन के बाद अब पुलिस वाले बेस्ट में टिकट लेकर ही सफर कर पाएंगे। मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडेय के इस फैसले से पूरे पुलिस महकमे में खुशी है। एक पुलिस अधिकारी ने विस्तार से इस बढ़े वेतन के पीछे की कहानी बताई। इस अधिकारी के अनुसार, कॉन्स्टेबल से लेकर एएसआई की सैलरी का 2700 रुपये से लेकर 3200 रुपये तक बेस्ट के अकाउंट में हर महीने जाता था।

इसी तरह पीएसआई से लेकर एसीपी का 4800 रुपये से लेकर 5200 तक बेस्ट के खाते में ट्रांसफर होता था। बदले में पुलिस वालों को बेस्ट की बसों में पूरे शहर में फ्री में सफर की छूट थी। लेकिन कई पुलिस वालों की शिकायत थी कि या तो वह लोकल ट्रेन में सफर करते हैं या उनके प्राइवेट वाहन हैं, इसलिए बेस्ट की बस में बहुत कम लोग ही सरकारी या पर्सनल काम से जाते हैं, इसलिए उनकी सैलरी का बेस्ट को जा रहा हिस्सा उन्हें ही दे दिया जाए,तो ज्यादा बेहतर है। पुलिस कमिश्नर ने इसका रिव्यू किया और फिर नया आदेश निकाला। पहले कितनी रकम कटती थी इस अधिकारी के अनुसार, बहुत साल पहले तक पुलिस वेलफेयर फंड से बेस्ट को पुलिस वालों के सफर की रकम भेजी जाती थी। बाद में 50 से 100 रुपये तक पुलिस वालों के अकाउंट से रकम कटने लगी। धीरे-धीरे रकम 5200 रुपये तक पहुंच गई। तब पुलिसवालों को लगा कि बेस्ट में फ्री सफर के नाम पर उनका काफी आर्थिक नुकसान हो रहा है। यह बात पुलिस कमिश्नर ने भी महसूस की।

नोटिस, हजारों जुर्माना और जेल तक...दुकानों के बाहर मराठी में बोर्ड न होने पर 10 जून के बाद जानें होगी क्या कार्रवाई

मुंबई : महानगर में जिन दुकानों पर मराठी भाषा में बोर्ड नहीं लगे हैं, ऐसी दुकानों पर बीएमसी 10 जून के बाद कार्रवाई करेगी। मुंबई में सभी दुकानों व प्रतिष्ठानों पर बोर्ड बड़े मराठी अक्षरों में लिखने का निर्देश बीएमसी ने दिया है, जिसकी समयसीमा 31 मई को समाप्त हो गई। लेकिन, बीएमसी ने 1 जून से कार्रवाई न करते हुए बोर्ड मराठी में बदलने के लिए दुकानदारों को कुछ और समय दिया है।

बता दें कि राज्य सरकार ने दुकानों का बोर्ड मराठी में करने का निर्देश जारी किया था, लेकिन अब भी बोर्डों के नाम इंग्लिश में लिखे हुए हैं। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि दुकानदारों को यह आखिरी मौका दिया गया है। इसके बाद, बीएमसी कड़ी कार्रवाई करेगी। शुरुआत में बीएमसी के निशाने पर मुंबई की साढ़े चार लाख दुकानें होंगी, जिनमें शो रूम, स्टोर्स व बड़ी दुकानें भी शामिल होंगी।

इनकार पर होगी कानूनी कार्रवाई

बीएमसी के उपायुक्त संजोग कबरे ने बताया कि दुकान एवं प्रतिष्ठान मराठी में बोर्ड लगा रहे हैं या नहीं, प्रत्येक वॉर्ड में निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए 75 इंस्पेक्टर हैं। इसके अलावा, उनके साथ एक अन्य अधिकारी भी मौजूद रहेगा। निरिक्षण के दौरान यदि मराठी बोर्ड लगाने से दुकानदार इनकार करता है, तो उसके खिलाफ न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी। यदि दुकानदार कोर्ट की कार्यवाही से बचना चाहेगा, तो उसे जुर्माना भरना पड़ेगा। इसके तहत, दुकान में कार्यरत प्रति व्यक्ति के हिसाब से 2,000 रुपये का दंड वसूला जाएगा।

शराब की दुकानों से हटाने होंगे महापुरुषों के नाम

बीएमसी ने मुंबई में शराब की दुकानों के बोर्ड पर महापुरुषों या किलों के नाम लिखने पर बैन लगाया है।

मुंबई में 9 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में दोषी को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

कुछ दिन पहले ही मुंबई की एक अदालत ने मुंबई के साकीनाका इलाके में 34 साल की महिला के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी को फांसी की सजा सुनाई थी. अदालत ने आज एक अन्य मामले में भी दोषी को फांसी की सजा सुनाई है. बता दें कि, ये मामला साल 2019 का है जब एक 9 साल की बच्ची का बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई थी. ये वारदात मुंबई के जुहू इलाके में घटी थी. जुहू पुलिस के मुताबिक जुहू में गटर में 9 साल की बच्ची का शव मिला था जिसके बाद उसके पोस्टमॉर्टम में पता चला था कि उस बच्ची का बलात्कार हुआ था जिसके बाद उसकी हत्या हुई थी.

इस मामले के बाद उस समय जुहू इलाके में कानून व्यवस्था बिगड़ गई थी. सैकड़ों लोग सड़क पर आ गए थे और भारी पुलिस बल को तैनात करना पड़ा था. इस मामले में जुहू पुलिस ने साल 2019 में 33 साल के वडीवेल उर्फ गुंडाप्पा चीनतंबी देवेंद्र को गिरफ्तार किया था. ये वारदात 4 अप्रैल 2019 की है. इसके बाद आरोपी के खिलाफ जुहू पुलिस ने IPC की धारा 363,376,302,201 और पोक्सो की धारा 4,8,12 के तहत मामला दर्ज किया था और जांच शुरू कर दी थी. इस मामले में आज 11वें सत्र न्यायालय, दिंडोशी, मुंबई ने दोषी को फांसी की सजा सुनाई है. क्या था साकीनाका मामला? हाल ही में साकीनाका रेप और हत्या मामले में भी दोषी को फांसी की सजा सुनाई गई थी.

दरअसल,

10 सितंबर 2021 की रात को 3 बजकर 30 मिनट पर अंधेरी के खैरानी रोड पर एक फूट्टे के कारखाने के पास काम करने वाले सुरक्षा रक्षक ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर बताया था कि कुछ लोग एक महिला के साथ झगड़ा कर रहे हैं. ये जानकारी मिलते ही साकीनाका पुलिस की टीम 10 मिनट के भीतर ही वहां पहुंच गई थी और फिर कांस्टेबल ने देखा कि एक टेम्पू में महिला बुरी तरह जख्मी हालत में है और उसके शरीर से खून निकल रहा है.

जिसके बाद कांस्टेबल ने किसी का भी इंतजार नहीं किया और बिना देर किए उस टेम्पू की चाभी वहीं पास से ली और इसे लेकर सीधे राजावाड़ी अस्पताल गया.

जहां उस महिला का डॉक्टर ने इलाज करना शुरू कर दिया.

महाराष्ट्र शासन

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, (सा.बां.वि.) यांचे कार्यालय

Email : presidency.ee@mahapwd.gov.in

☎ २२०१६९७५
२२०१६९७३

ई -निविदा सुचना क्र. ४ सन २०२२-२०२३

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई (दुरध्वनी क्रमांक-२२०१६९७५ /२२०१६९७७) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक बांधकाम खात्याकडे योग्य वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून खालील कामाकरीता ब-१ नमुन्यातील निविदा ई-निविदा प्रणालीव्दारे (ऑनलाईन) मागवित आहेत. निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम रु. लक्ष
१	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत उच्च न्यायालय येथील पीडब्ल्यूडी इमारतीच्या कौलांची दुरुस्ती व रसायने वापरुन गळती प्रतिबंधक उपाय योजना करणे.	१३.२९
२	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत उच्च न्यायालय येथील एनेक्स इमारतीच्या कौलांची दुरुस्ती व रसायने वापरुन गळती प्रतिबंधक उपाय योजना करणे.	१२.७९
३	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत ओल्ड सेक्रेटरिएन्ट एनेक्स इमारत येथील छताची बांबू मॅटिंग करणे व मल निसारण लाइनची दुरुस्ती करणे.	११.७९
४	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत विज्ञान संस्था इमारतीच्या पाइप लाइन मल निसारण लाइन, केमिकल कोटींगचे व दुरुस्तीचे काम करणे	१२.०९
५	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत एलफिस्टन महाविद्यालय, मुंबई इमारतीच्या कौलांची दुरुस्ती, छताचे डांबरीकरण, बांबू मॅटिंग व मल निसारण लाइन ची दुरुस्ती करणे	१२.०९
६	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत उच्च न्यायालय, मुंबई येथील मुख्य इमारतीच्या छतांच्या कौलांची दुरुस्ती, गळती प्रतिबंधक उपाय योजना करणे.	१६.६४
७	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत उच्च न्यायालय, मुंबई येथील मुख्य व एनेक्स इमारतीच्या तसेच पीडब्ल्यूडी इमारतीच्या पावसाळी संरक्षण शेड, मॅटिंगच्या साहित्याचा पुरवठा करणे	१७.५७
८	किरकोळ दुरुस्ती अंतर्गत उच्च न्यायालय इमारतीच्या मल निसारण लाइन, चेंबर्स व गटार लाइन ची दुरुस्ती करणे.	१३.८९
९	एन डी रोड मुंबई येथ पावसाळपुर्वीची कामे करणे.	२४.८१

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी- दि. ६.६.२०२२ ते दि. २०.६.२०२२ पर्यंत.
ई-निविदा उघडणे- दि. २१.६.२०२२ रोजी दुपारी ३.०० वाजता

निविदा सुचने मध्ये काही बदल/सुधारणा करावयाची असल्याचे शुध्दीपत्रक वृत्तपत्रामध्ये प्रसिध्द करण्यात येणार नाही. त्याबत सर्व बदल ऑनलाईन निविदा प्रक्रियेमध्ये प्रसिध्द केले जाईल.

खालील संकेतस्थळावरुन ई-निविदाची सर्व माहीती उपलब्ध आहे.
1) www.mahapwd.com
2) http :// mahatenders.gov.in

जा.क्रं. इशवि/निलि/ ५७७९
कार्यकारी अभियंता
इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय,
सार्वजनिक बांधकाम विभाग,
२ रा मजला,बांधकाम भवन,
२५ मर्झबान रोड, फोर्ट,
मुंबई- ४०० ००१.
दिनांक : ०१/०६/२०२२

सही/-
सी. टी. नाईक
कार्यकारी अभियंता,
इलाखा शहर विभाग, मुंबई.

क्या कला तनाव को कम करने में मदद कर सकती है?

जीवन कभी-कभी दिशा खो देता है, हम अनपेक्षित रूप से समाप्त हो जाते हैं। बाहर निकलना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन कई के लिए उनके गालों पर आंसू बह जाते हैं और कुछ के लिए वे अपने सबसे बुरे अनुभवों के बारे में किसी से भी बात करना शुरू कर देते हैं।

देश भर में कई लोगों के लिए अत्यधिक तनाव कोई नई बात नहीं है, दोनों युवा और बूढ़े। चाहे वह व्यस्त घर हो या काम का जीवन या आप मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपट रहे हैं जो आपको किनारे कर रहे हैं, उपचार के वैकल्पिक रूप हैं जो आपके तनाव को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

कला आपके दिमाग को तनावपूर्ण स्थितियों से निकालने में मदद करती है

कला बनाना आपके दिमाग को अपने जीवन में तनाव से दूर करने का एक शानदार तरीका है। जब आप निर्माण करते हैं, तो आप अपने मस्तिष्क के एक अलग हिस्से को संलग्न करते हैं, और आप जो बना रहे हैं उसमें आप फंस सकते हैं। यहां तक कि अगर आप कला पर 45 मिनट खर्च करते हैं, तो यह आपके दिमाग को साफ कर देगा और आपको नए दृष्टिकोण से समस्याओं का सामना करने की अनुमति देगा।

कला आत्म-देखभाल का एक रूप है

कई बार तनाव तब और बढ़ जाता है जब लोग अपना ख्याल रखना भूल जाते हैं। जीवन इतनी घुमावदार गेंदें फेंक सकता है कि आप बैठना और आराम करना भूल जाते हैं। यदि आप हर दिन कुछ मिनटों का समय किसी कला के लिए समर्पित करते हैं, तो आप अपने मस्तिष्क को आराम करने और आराम करने के लिए थोड़ा समय दे रहे हैं। अंत में, आप अपनी रचना में आनंद पाएंगे।

तनाव दूर करने के लिए ड्राइंग

ड्राइंग एक दृश्य डायरी रखने के समान है। आप जो कुछ भी महसूस कर रहे हैं उसे आप आकर्षित कर सकते हैं। कुछ लोगों को आकृतियों और वस्तुओं को चित्रित करने में आनंद आता है, और अन्य लोग जानवरों या अन्य दृश्यों को आकर्षित कर सकते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका कौशल स्तर क्या है, आप केवल एक स्केचबुक में जो महसूस कर रहे हैं उसे आकर्षित कर सकते हैं। यह चिकित्सीय है, और यह आपको तनाव दूर करने में मदद करेगा।

रंग

विस्तृत रंग भरने वाली किताबें तनाव दूर करने का एक और बढ़िया तरीका है। आप उन्हें सभी उम्र के लोगों के लिए ढूंढ सकते हैं, और उनके पास अक्सर जटिल पैटर्न होते हैं जो आपको ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर करते हैं। यह अधिनियम आपको आराम करने में मदद करेगा और इसके लिए बहुत अधिक अतिरिक्त कौशल की आवश्यकता नहीं है।

डायमंड पेंटिंग

डायमंड पेंटिंग मोज़ेक कला का एक बेतहाशा लोकप्रिय रूप है जो पेंट-बाय-नंबर्स और क्रॉस-स्टिचिंग के समान है। आप एक डायमंड पेंटिंग किट खरीद सकते हैं जिसमें आपकी जरूरत की हर चीज हो, और आप पहले से छपी तस्वीर के साथ कैनवास पर थोड़ा स्पार्कली डायमंड रेजिन चिपका देंगे। यह वास्तव में आसान और आकर्षक शिल्प है, और यह माता-पिता और बच्चों के लिए एकदम सही है। जब आप समाप्त कर लेंगे, तो आपकी दीवार पर लटकने के लिए आपके पास कला का एक सुंदर चमकदार काम होगा। पता नहीं कहां से शुरू करना है? इस हीरे की पेंटिंग की जाँच करें कि कैसे-कैसे मार्गदर्शन करें।

जीवन आज बहुत सक्रिय है, और लोगों पर लगातार और अधिक करने का दबाव रहता है। काम और बच्चों के बीच अपना ख्याल रखने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है। यदि आप इसे हर दिन एक छोटी सी कला में जोड़ने के लिए एक बिंदु बनाते हैं, तो यह आपके तनाव को कम करने में मदद करेगा। आप मुफ्त ड्राइंग और पेंटिंग तक सीमित नहीं हैं; हीरे की पेंटिंग जैसे कई शिल्प हैं, जो आसान और आराम देने वाले हैं।

सालाना 6 लाख करोड़ सिगरेट फूंकी जा रहीं, एक सिगरेट में 600 जहर; हर साल 80 लाख लोगों की मौत

तंबाकू और उसका सेवन करने वाले लोग बदनाम है, लेकिन इसे बेचने की अनुमति देने वाली सरकारें और विज्ञापनों के जरिए बाजार तक लाने वाले लोग अमीर, इज्जतदार और ताकतवर जीवन जी रहे हैं। तंबाकू को सिगरेट में बदलने की टेक्नोलॉजी से ज्यादा खतरनाक दुनिया में अब तक कुछ नहीं बना। सिगरेट के जरिए तंबाकू का धुंआ गले में नहीं लगता और लोग इसे फेफड़े तक खींचते हैं।

एक सिगरेट में 600 किस्म के जहरीले पदार्थ

कंपनियों में लाइट, फिल्टर्ड और सुगंधित सिगरेट बनाने की होड़ लग गई है। यानी, सिगरेट जितनी लाइट है, उतनी ही ज्यादा तेजी से फेफड़ों को तबाह करती है। सही मायनों में, सिगरेट भ्रष्टाचार की उपज है, जिसमें वैज्ञानिक और विज्ञापन बराबर के दोषी हैं। मशीनीयुग से पहले एक व्यक्ति दिनभर में 200 सिगरेट बना पाता था। आज एक मशीन 1 मिनट में 20 हजार सिगरेट बनाती है। इसमें सायनाइड, रेडियोएक्टिव आइसोटोप और अमोनिया जैसे करीब 600 किस्म के जहरीले पदार्थ मिलाए जाते हैं।

सरकारों ने सिगरेट को महामारी में बदला

सरकारें ऐसे जहर को बनाने-बेचने का लाइसेंस देकर सबसे बड़ी दोषी हैं। सरकारों ने सिगरेट को महामारी में बदल दिया है। साथ ही, सिगरेट में रेडियोएक्टिव तत्व भी हैं। हर साल 80 लाख लोग सिगरेट पी कर मर रहे हैं।

सिगरेट की वजह से मरने वाले हर शख्स से कंपनियों को लाखों रुपए का मुनाफा हो रहा है। तंबाकू की खेती से लेकर सिगरेट बनाने की प्रक्रिया जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रही है। इसकी खेती में इस्तेमाल हो रहे पेस्टिसाइड से धरती तबाह हो रही है।

धरती पर जीवन बचाने के लिए इस पर तत्काल प्रतिबंध लगना चाहिए।

हर साल सिगरेट मैन्युफैक्चरिंग पर 60 करोड़ पेड़ कट रहे

6 लाख करोड़ सिगरेट सालाना फूंकी जा रही हैं। इन्हें एक के ऊपर एक रखा जाए तो ये धरती से सूरज तक जा कर वापस आ जाएंगी। फिर भी इतनी बची होंगी की कई बार मंगल ग्रह जा कर आ जाएं।

प्रति सेकंड 15 किमी जितनी लंबी सिगरेट फूंकी जा रही है।

हर साल सिगरेट मैन्युफैक्चरिंग पर 60 करोड़ पेड़ कट रहे। भारत में 1962-2002 के बीच तंबाकू की खेती ने 1700 हेक्टेयर जंगल निगला।

प्लास्टिक पॉल्यूशन का सॉल्यूशन:रिसर्च में दावा- 500 साल में खत्म होने वाले प्लास्टिक को एक हफ्ते में डी-कंपोज करेगा नया एन्जाइम

पर्यावरण के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक प्लास्टिक पॉल्यूशन को खत्म करने का सॉल्यूशन अमेरिकी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के रिसर्चर्स द्वारा खोजा गया एक एन्जाइम एक हफ्ते में प्लास्टिक कचरे को मिट्टी में मिला देगा। यह एन्जाइम प्लास्टिक को खाकर डी-कंपोज कर सकता है। बता दें, प्लास्टिक को मिट्टी में मिलने में 20 से 500 साल तक का वक्त लगता है।

नेचर जर्नल में प्रकाशित हुई रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इस एन्जाइम को बनाने के लिए मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया। एन्जाइम एक तरह का प्रोटीन होता है, जो किसी बायोलॉजिकल प्रोसेस को तेज करने वाला पदार्थ है। रिसर्चर्स के मुताबिक, यह एंजाइम खास पॉलिथीन टैरीपिथालेट (PET) नाम के प्लास्टिक को डी-कंपोज करने के लिए बनाया गया है।

डीकंपोज PET से बनेगा 'वर्जिन प्लास्टिक'

सिर्फ इस प्लास्टिक को महज कुछ दिन में डी-कंपोज कर देगा, बल्कि इस प्रोसेस से पहले जैसा प्लास्टिक भी बनाया जा सकता है। रिसर्च के ऑथर प्रोफेसर हाल एल्पर के मुताबिक, इसे 'वर्जिन प्लास्टिक' नाम दिया है। यानी, मिट्टी में मिल चुके प्लास्टिक को उसके ओरिजिनल फॉर्म में दोबारा लाया जा सकता है।

दुनिया में 12% कचरा यूज एंड थ्रो वाले प्लास्टिक का है, जिसमें पानी की बोतल और कंटेनर आदि शामिल हैं। वैज्ञानिकों की मानें तो यह एक अनोखी रिसर्च है। नया एन्जाइम न अब तक 19 एन्जाइम बने हैं

साल 2005 से प्लास्टिक को जल्दी डी-कंपोज करने के लिए अब तक 19 एंजाइम्स बनाए जा चुके हैं, लेकिन नया एन्जाइम अनूठा है। यह अलग-अलग तापमान और परिस्थितियों में भी समान काम कर सकता है। सभी एन्जाइम्स को पर्यावरण में मौजूद उन बैक्टीरिया से निकाला जाता है, जो प्लास्टिक पर ही पाए जाते हैं।

प्लास्टिक पॉल्यूशन में आएगी कमी

प्रोफेसर एल्पर कहते हैं कि सबसे पहले इस एन्जाइम की मदद से कचरे में मौजूद प्लास्टिक बॉटल और और कंटेनर रीसाइकल किए जाएंगे। इससे करोड़ों टन PET प्लास्टिक को डी-कंपोज कर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकेगा।

हर साल 8.3 बिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक बनता है

दुनिया प्लास्टिक क्राइसिस से जूझ रही है। नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व में हर साल 8.3 बिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक बनता है, जिसमें से 6.3 बिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक वेस्ट में तब्दील हो जाता है। वहीं, केवल 9% प्लास्टिक ही रीसाइकल हो पाता है।

मोबाइल-कंप्यूटर के साइड इफेक्ट्स:गर्दन झुकाकर हम रीढ़ पर 27 किग्रा वजन डालते हैं; हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लें

कोरोना काल के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल और ऑफिस में कंप्यूटर पर काम का समय बढ़ गया। हम दिनभर मोबाइल और कंप्यूटर की तरफ सिर झुकाए रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के काइरोप्रैक्टर्स एसोसिएशन ने नए शोध में दावा किया है कि हम इसी तरह इन डिवाइस का ज्यादा इस्तेमाल करते रहे तो गर्दन और पीठ में कूबड़ निकल सकता है। वैज्ञानिकों ने इसे 'टेक नेक' नाम दिया है।

इस स्थिति में हमारी रीढ़ की हड्डी को झुकाव का सामना करना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया के रीढ़ विशेषज्ञों के मुताबिक, जब हम गर्दन आगे 60 डिग्री झुकाते हैं, तो रीढ़ पर 27 किग्रा वजन डालते हैं।

ऑफिस में लगातार काम करना खतरनाक

सिडनी की लेखिका टुडी यिप कहती हैं, ऑफिस में रोज 12 घंटे काम करके गर्दन में कूबड़ जैसी स्थिति आ गई थी। सिरदर्द भी रहने लगा था। हफ्ते में 70 घंटे काम करने से बिस्तर पकड़ने की नौबत आ गई थी। रीढ़ विशेषज्ञों की सलाह पर टुडी ने आठ हफ्ते तक रीढ़, गर्दन के अभ्यास किए। ऑफिस में पॉश्चर सुधारा और दिनभर में कई बार स्ट्रेच किया। तब जाकर वे पुराना स्वरूप हासिल कर पाईं।

ऑस्ट्रेलिया में वयस्कों पर हुए शोध के मुताबिक 42% वयस्क गर्दन दर्द से परेशान थे। इतने ही लोग गर्दन अकड़ने की समस्या से जूझ रहे थे। 36% को सिर में दर्द और 25% लोग माइग्रेन से परेशान थे। करीब एक तिहाई ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों ने कहा कि वे हर घंटे 5 से 30 बार अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं। वहीं 10 में से एक ने माना कि वे ऐसा 40 बार तक करते हैं।

विशेषज्ञों ने इन्हें हर 30 से 60 मिनट में अपनी जगह से उठने और आसपास घूमने के लिए कहा। लेकिन युवाओं ने स्वीकारा कि उन्होंने इस सलाह को नहीं माना। आश्चर्यजनक रूप से वर्क फ्रॉम होम कर रहे 41% लोगों ने हर घंटे विराम लिया।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: मेष राशि वाले जातकों को स्वास्थ्य और रिश्तों को लेकर सजग रहना होगा। इस सप्ताह आपके नेतृत्व को सराहना मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सभी मानने को बाध्य होंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनने वाली है। कार्यों को गति देने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे।

वृषभ : इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त हो सकती है। किसी पारिवारिक मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। कठिन परिश्रम का शुभ फल आपको मिलने वाला है। संतान पक्ष के कार्य उत्तम होंगे। आलस्य का त्याग करेंगे तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाएगा। प्रेम संबंधों और दांपत्य सुख के लिए समय अच्छा है।

मिथुन: पारिवारिक समागम में जाने का अवसर आएगा। यह खर्च वाला सप्ताह है, लेकिन खर्च शुभ कार्यों में ही होगा। नया बिजनेस प्रारंभ करने का समय है। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो शुभ रहेगा। आर्थिक मजबूती बढ़ेगी। निवेश के लिए भी सप्ताह शुभ है। सप्ताह के अंत में आंतरिक ऊर्जा में कमी महसूस करेंगे। खानपान का ध्यान रखें।

कर्क: काम और परिवार के बीच तालमेल बिठाकर रखें। युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखना होगी। अपने और परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य पर नजर रखें। नए लोगों से संपर्क बनेगा। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा। आर्थिक मामलों में भरोसेमंद लोगों की सलाह मायने रखेगी।

सिंह: महिलाओं की धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवृत्ति जागृत होगी। सेहत पर ध्यान रखें, बाहरी खानपान करते वक्त और लोगों से मिलते-जुलते समय संक्रामक रोगों का खतरा हो सकता है। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव आएगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। कारोबारियों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या: किसी से व्यर्थ का विवाद होने के कारण मानसिक कष्ट होगा। शारीरिक रूप से भी थोड़े परेशान रह सकते हैं। अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखें, वरना नुकसान आपका ही होगा। नौकरीपेशा लोगों को अधीनस्थों से असहयोग रहेगा। इस कारण अपना बेस्ट नहीं दे पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय भी सामान्य रहेगा।

तुला: नए कार्य-व्यवसाय के लिए समय उत्तम है। पुरानी ठप पड़ी योजनाओं को फिर से जीवित करें, लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। प्रतिस्पर्धियों से सतर्क रहने की जरूरत है। धन संबंधी मामलों के लिए सप्ताह ठीक रहेगा। पुराने निवेश से लाभ होगा। उधार दिया हुआ और फंसा हुआ पैसा लौट आएगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपको नए प्रेम संबंध भी प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए पुराने समय से चली आ रही चुनौतियां दूर हो जाएंगी और अपने काम में नयापन लाने में कामयाब होंगे। नौकरीपेशा को च्चाधिकारियों से अनबन हो सकती है। अत्यधिक तनाव लेने के कारण शारीरिक रोग भी आ सकते हैं। बीमारियों पर खर्च बढ़ने की संभावना है।

धनु :नया बिजनेस, नई नौकरी, प्रेम प्रस्ताव सब दे डालिए। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। पारिवारिक जीवन में चल रहे विवादों का निपटारा होगा। चिकित्सा और इंजीनियरिंग फील्ड से जुड़े लोगों को उपलब्धि हासिल होगी। दांपत्य जीवन भी सुखद रहेगा।

मकर: अत्यधिक भागदौड़ का विपरीत असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह पूरे हो जाएंगे। आर्थिक लाभ का समय है। किसी विशेष कार्य से पैसा कमाने का अवसर आएगा। प्रेम संबंध प्राप्त होगा या जो संबंध पहले से चल रहा है उसमें गर्माहट आएगी।

कुंभ :अपने संबंधों में दिमाग की बजाय दिल से काम लेंगे तो अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। बीमारियों पर हो रहे खर्च में कमी आएगी। खासकर बुजुर्गों को लंबे समय से जो परेशानी बनी हुई है वह दूर हो जाएगी। विवाह प्रस्ताव मंजूर होगा। आय के साधनों में उत्तरोत्तर वृद्धि की संभावना है।

मीन :कार्य की अधिकता के कारण थकान का अनुभव करेंगे। आंतरिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए योग, मेडिटेशन जरूर करें। इस सप्ताह आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा वरना रिश्ते खराब कर बैठेंगे। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। नए कार्य व्यवसाय की शुरुआत के लिए समय ठीक है।

चुटकुले

एक महिला अपनी सहेली से- मुझे अपने पति पर शक है, वो छिप-छिपकर किसी से मिलते हैं।.
सहेली- तो अब क्या करेगी तू...
.महिला- कल ही उनके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं।

अनीस बज्मी के साथ काम कर चुके चीफ ए डी इरशाद अली फिल्म "3 श्याने" को लेकर हैं उत्साहित

असरानी, ज़रीना वहाब, मुकेश खन्ना, प्रियांशु चटर्जी, देव शर्मा, अनुप्रिया लक्ष्मी कटोच, टिकु तलसानिया, राकेश बेदी, वजेश हिरजी, हिमानी शिवपुरी,अर्जुमन मुगल, निशांत तंवर जैसे कलाकारों से सजी फ़िल्म 3 श्याने इस हफ्ते रिलीज हुई है। इसके निर्देशक अनीस बारुदवाला हैं और इस फ़िल्म के चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर इरशाद अली हैं जो इंडस्ट्री में लक्की के नाम से मशहूर हैं। वह पिछले 18-19 साल से बोलीवुड इंडस्ट्री में सहायक निर्देशक के रूप में काम करते आ रहे हैं।

उत्तरप्रदेश के उरई के रहने वाले इरशाद अली (लक्की) लगभग 2 दशक पहले मुम्बई आए थे और अनीस बज़्मी के साथ फ़िल्म हलचल से असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में अपनी जर्नी शुरू की थी।

फिर उन्होंने टीनू वर्मा के साथ फ़िल्म मां तुझे सलाम में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। फ़िल्म बजरंग सनी देओल, करिश्मा कपूर के साथ बन रही थी लेकिन वह बंद हो गई इसमे भी वह सहायक निर्देशक के रूप में काम कर रहे थे। यह टीनू वर्मा डायरेक्ट कर रहे थे। टीनू जी के साथ फ़िल्म बाज़ भी उन्होंने की थी।

और अब 3 श्याने उन्होंने बतौर चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर की है। इरशाद अली बताते हैं कि डायरेक्टर अनीस बारुदवाला के साथ काम करने का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। वह एक नेक इंसान हैं उन्होंने काफी सपोर्ट किया। वह कमाल के राईटर हैं। मेरी राय भी सुनते थे।

उन्होंने आगे बताया कि 3 श्याने भले ही कॉमेडी से शुरू होती है मगर फिर इसमे मैसेज बहुत अच्छा है। आजकल के लड़के बहुत जल्दी अमीर बनना चाहते हैं। इस पिक्चर में यह दिखाया गया है कि सक्ससे का कोई शॉर्ट रास्ता नही होता कामयाबी के लिए आपको मेहनत और समय दोनो देना पड़ता है। इस

फ़िल्म में 2 ट्रैक चलते हैं एक ट्रैक 3 श्याने का है एक ट्रैक प्रियांशु चटर्जी, अर्जुमन मुगल, और मुकेश खन्ना का है। मुकेश खन्ना बहुत दौलतमंद इंसान हैं उनकी बेटी का रोल अर्जुमन मुगल, ने किया है। फ़िल्म में यह सन्देश है कि जीवन मे आगे बढ़ने के लिए सच्चाई का रास्ता अपनाना चाहिए वरना कुछ नहीं होगा।

फ़िल्म के निर्माता संजय सुतांकर हैं. ए ए देसाई के कांसेप्ट पर बनी फिल्म एसएसएस फिल्म्स इंटरनेशनल - 333 के बैनर तले रिलीज की गई है।फ़िल्म के गाने जावेद अली, ऋतु पाठक, बृजेश शांडिल्य और अर्पिता चक्रवर्ती ने गाए हैं।

सुप्रीमो कप 2022 ट्राइडेंट नवी-मुंबई के नाम रही, ग्रैंड फाइनल में अनु मलिक, क्रिकेटर संजय मांजरेकर की उपस्थिति

सुप्रीमो कप 2022 सीज़न 9 का फाइनल 28 मई को बहुत ही ग्रैंड रहा। इस खास दिन पर मशहूर संगीतकार अनु मलिक और क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करवाई। इस क्रिकेट मुकाबले के ऑर्गनाइजर एमएलए संजय पोतनीस ने यहां आए मेहमानों का सुप्रीमो सत्कार किया। शाहरुख खान की फ़िल्म बाजीगर का सुपर हिट गीत ये काली काली आंखें गाकर अनु मलिक ने सुनाया तो यहां मौजूद पूरी भीड़ भी जोश में आ गई। अनु मलिक ने संजय पोतनीस का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि एयर इंडिया स्पोर्ट्स क्लब के इस मैदान पर मैं बहुत खेल चुका हूं, संजय जी ने यहां बुलाकर मेरी यादें ताजा कर दी। संजय पोतनीस जी ने जिस तरह मेरा सम्मान किया उसके लिए उनका दिल से शुक्रिया। इतने भव्य रूप से उन्होंने क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया है। बेहतरीन मैदान, शानदार लाइटिंग, आकर्षक इनाम, प्रतिभाशाली खिलाड़ी, टक्कर के मैच और नई तकनीक वाले कैमरे से इसका शूट ...यह सब हैरान करने वाला है। हमें यहां एक से बढ़कर एक मैच, असंभव जैसे कैच और बेहतरीन खिलाड़ी देखने का मौका मिला। टेनिस क्रिकेट की दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक ट्राइडेंट नवी-मुंबई ने इस टूर्नामेंट का फाइनल खिताब अपने नाम किया। ट्राइडेंट नवी-मुंबई उमर 11 ने सेमीफाइनल में TWJ डॉमिनेटर्स-पालघर को हराया। ट्राइडेंट नवी-मुंबई उमर 11 टीम ने फाइनल में कंधारी किंग्स-बंद्या बॉयज जैसी दिग्गज टीम को हराया। नासिक के आशिक जिनकी बल्लेबाजी सुपरक्लासिक बनी मिस्टर मुन्ना शेख ने मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता। तुलजापुर के श्री कृष्णा गवली ने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के लिए स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली के स्पिन जादूगर राजू मुखिया को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब मिला।किरण पवार ने टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षण का पुरस्कार जीता। सुप्रीमो ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट 2022: सीजन 9 का अंतिम दिन दर्शकों से खचाखच भरा रहा। साथ ही यहां कई हस्तियां भी आईं। सभी ने मैच का आनंद लिया और एमएलए संजय पोतनीस द्वारा आयोजित इस भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट की सराहना की। यहां आए सभी मेहमानों को गुलदस्ता, मोमेंटो, सुप्रीमो मग और शॉल देकर संजय पोतनीस ने सत्कार किया। आपको बता दें कि इस टूर्नामेंट का आयोजन एयर इंडिया स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड, कलिना, सांताक्रूज में किया गया। शिवसेना विभाग प्रमुख एमएलए संजय पोतनीस और परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र सरकार डॉ. अधिवक्ता अनिल परब द्वारा इस टेनिस क्रिकेट मुकाबले का सफल आयोजन किया गया। सुप्रीमो चषक भारत का अब तक का सबसे बड़ा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट माना जाता है। सुप्रीमो फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं।

वडोदरा की नाइट्रेट फैक्ट्री में ब्लास्ट:प्लांट के 3 बॉयलर में लगातार 8 धमाके हुए, 15 कर्मचारी घायल; 10 KM तक सुनी गई आवाज

गुजरात के वडोदरा जिले के नंदेसरी इलाके में दीपक नाइट्रेट नाम की एक कंपनी में गुरुवार दोपहर जबरदस्त ब्लास्ट हुआ। इसके बाद यहां भीषण आग लग गई। हादसे में 15 कर्मचारी घायल हैं। रेस्क्यू के लिए फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर मौजूद है। आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। हादसे के चलते वडोदरा हाईवे बंद कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनी गई।

बॉयलर में हुआ था विस्फोट

फायर ब्रिगेड के एक कर्मचारी के अनुसार ब्लास्ट एक बॉयलर में हुआ था। इसके बाद आग पूरे प्लांट में फैल गई और इसकी चपेट में आकर कई दो अन्य बॉयलर भी फट गए। लोगों ने बताया कि एक के बाद एक लगातार 8 धमाके सुने गए। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां लगीं

फैक्ट्री में लगी आग इतनी भीषण है कि फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां आग बुझाने में लगाई गई हैं। फिलहाल फैक्ट्री के बाहरी हिस्से की आग पर काबू पा लिया गया है। अभी भी प्लांट के अंदर कई जगह आग धधक रही है।

कंपनी के बाहर एंबुलेंस भी तैयार रखी गईं

हालात बेकाबू होने के चलते फायर ब्रिगेड टीम ने ब्रिगेड कॉल जारी कर दी है। आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है और ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही हैं। कंपनी के बाहर दो-तीन एंबुलेंस भी तैयार रखी गई हैं। इसके अलावा सयाजी अस्पताल में 15 डॉक्टरों सहित 25 लोगों की टीम भी तैयार रखी गई है।

लिफ्ट का बटन दबाने से बची नाबालिग:सूरत में 12 साल की नाबालिग के साथ लिफ्ट में छेड़छाड़, 16 साल का आरोपी हुआ गिरफ्तार

गुजरात के सूरत में नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। यहां डिंडोली इलाके में एक अपार्टमेंट ब्लॉक की लिफ्ट में 12 साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने 16 साल के लड़के को गिरफ्तार किया है। छेड़छाड़ की घटना लिफ्ट में लगे कैमरे में कैद हो गई थी।

लिफ्ट रुकते ही आरोपी भाग निकला

अपार्टमेंट में रहने वाली किशोरी अपने घर से बाहर जाने के लिए लिफ्ट से निकली थी। इसी दौरान लिफ्ट में आरोपी भी आ पहुंचा और उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि किशोरी बचने के लिए लिफ्ट के बटन दबाने की कोशिश करती है और आरोपी उसे रोकने की। इसी बीच लड़की लिफ्ट का बटन दबाने में कामयाब हो जाती है। लिफ्ट के रुकते ही आरोपी भाग निकलता है।

टीजिंग एंड पॉक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

छेड़छाड़ की घटना से सहमी लड़की रोते हुए घर पहुंची और पिता को सारी बात बताई। इसके बाद पिता ने सिक्युरिटी गार्ड से सीसीटीवी का फुटेज निकलवाया और पुलिस को खबर की। परिवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने आरोपी लड़के को चंद ही घंटे में अरेस्ट कर लिया। इस संबंध में पुलिस ने टीजिंग एंड पॉक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर छात्र के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गुजरात कांग्रेस नेता ने मांगी पत्नी से मुक्ति:भरत सिंह ने कहा- उसे सिर्फ मेरी प्रॉपर्टी में दिलचस्पी; तलाक लेकर तीसरी शादी करना चाहता हूं

गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी ने अपनी पत्नी से विवाद को लेकर आज अहमदाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 'मेरी पत्नी रेशमा की सिर्फ मेरी प्रॉपर्टी में दिलचस्पी है। उसे मेरी मौत का इंतजार है। विपक्षी दल मेरी पत्नी के साथ मिलकर मेरे 30 साल के राजनीतिक करियर को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं तीसरी शादी करने जा रहा हूं और पत्नी रेशमा से तलाक का इंतजार कर रहा हूं।'

चुनाव के वक्त ही विवाद शुरू होता है

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने 1992 में राजनीति में प्रवेश किया। कांग्रेस के एक छोटे से कार्यकर्ता से लेकर गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष तक की जिम्मेदारी मिली। पिछले कुछ समय से मेरी पत्नी के विवाद का फायदा अब विरोधी भी उठा रहे हैं। जब भी चुनाव आते हैं तो पत्नी और मेरे बीच के किसी न किसी विवाद को हवा दे दी जाती है। यह सिर्फ चुनाव के वक्त ही होता है।'

पारिवारिक विवाद क्या और कहीं नहीं हैं?

'मैं राजनीति में हूं तो ही इसे बड़े विवाद के रूप में देखा जाता है। इस देश में ऐसे कई परिवार, कई ऐसे पति-पत्नी हैं, जिनके बीच विवाद चल रहे हैं। उनका वैवाहिक जीवन मुश्किल में है। अगर परिवार में सुलह नहीं हो पाती है तो मामला कोर्ट में चला जाता है। मेरे मामले में भी यह बात समझनी चाहिए। पिछले 15 साल से मेरे और मेरी पत्नी के बीच सिर्फ औपचारिकता का रिश्ता है। मैंने इतने सालों में हमेशा यही कोशिश कि परिवार का मामला परिवार के अंदर ही रहे।'

कोरोना में पत्नी ने मेरी मौत की दुआ की

'जब मुझे कोरोना हुआ तो मुझे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान स्व. अहमद पटेल ने मेरी मदद की। हालत बिगड़ने पर मुझे वडोदरा से अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में शिफ्ट करवाया गया। मेरे पिता को भी यही लग रहा था कि अब मैं नहीं बचूंगा। वे मुझसे कहते थे कि अगर तुम्हें कुछ हो गया तो मेरा क्या होगा। तुम्हारी पत्नी तो तुम्हारी मौत की दुआ मांग रही है। क्योंकि, उसे तुम्हारी प्रॉपर्टी से प्यार है।'

पत्नी से तलाक का इंतजार, ताकि तीसरी शादी कर सकूं

कुछ दिन पहले उनकी पत्नी रेश्मा ने उनका एक लड़की से साथ का वीडियो पोस्ट किया गया था। इस मामले पर सोलंकी ने कहा - 'बहुत दुख की बात है कि मुझे अपने निजी जीवन पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करनी पड़ रही है और मीडिया का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में मेरा एक वीडियो सामने आया था, जिस पर विवाद उठा। सच बात तो यह थी कि मैं अपनी दोस्त के साथ आइसक्रीम खाने गया था। मैं तो अपनी पत्नी से तलाक लेकर तीसरी शादी करने की सोच रहा हूं। फिलहाल मैं कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहा हूं।'

हार्दिक पटेल की भाजपा में एंट्री

गुजरात के चर्चित पाटीदार नेता हार्दिक पटेल आज भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले कांग्रेसी नेता श्वेता ब्रह्मभट्ट प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में BJP में शामिल हुईं। BJP में शामिल होने से पहले हार्दिक ने कोबा इलाके से BJP कार्यालय 'कमलम' तक रोड शो निकाला। इसके बाद दोपहर 12.39 बजे के विजय मुहूर्त में कमलम में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में उन्होंने केसरिया पहन लिया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा में शामिल नहीं हुआ हूं, बल्कि ये मेरी घर वापसी हुई है।' कहा - सिपाही बनकर काम करूंगा भाजपा जॉइन करने से पहले उन्होंने एक ट्वीट किया- राष्ट्रहित, प्रदेशहित, जनहित एवं समाज हित की भावनाओं के साथ आज से नए अध्याय का प्रारंभ करने जा रहा हूँ। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्र सेवा के भगीरथ कार्य में छोटा सा सिपाही बनकर काम करूंगा। भाजपा जॉइन करने से पहले पूजा-पाठहार्दिक ने पार्टी जॉइन करने से पहले एक पोस्टर जारी किया था, जिसमें उनके भाजपा में जॉइन होने का समय भी बताया गया था। इससे पहले उन्होंने अपने आवास पर दुर्गा पाठ किया। दुर्गा पूजा के बाद हार्दिक स्वामीनारायण मंदिर गए, जहां उन्होंने गो पूजा भी की।

हार्दिक बोले- पद का लालच नहीं

पूर्व कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने कहा- आज तक मैंने पद के लालच में कहीं भी किसी भी प्रकार की मांग नहीं रखी। कांग्रेस को भी मैंने काम मांगते हुए छोड़ा और भाजपा में भी मैं काम करने की अभिलाषा के साथ जुड़ रहा हूं। स्थान की चिंता कमजोर लोग करते हैं। मजबूत लोग कभी भी स्थान की चिंता नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हर 10 दिन में एक कार्यक्रम करेंगे, जिसमें कांग्रेस पार्टी से नाराज विधायकों, जिला पंचायत या तहसील पंचायत के सदस्यों, नगर निगम के सदस्यों को जोड़ेंगे।

17 मई को दिया था इस्तीफा

लंबे समय से कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हार्दिक ने 17 मई को ट्विटर पर इस्तीफे का ऐलान किया था। उन्होंने राहुल गांधी पर कई आरोप लगाए थे। इस्तीफे के बाद से वह लगातार भाजपा के कामों की तारीफ कर रहे थे और खुद को हिंदुत्व का समर्थक भी बता रहे थे। तभी से ही इसकी संभावना व्यक्त की जा रही थी कि वे भाजपा में शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस के प्रति नाराजगी

हार्दिक की कांग्रेस के प्रति नाराजगी अब किसी से छिपी नहीं है। इससे पहले भी कांग्रेस के प्रति वो अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। एक बयान में उन्होंने यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस में उनकी हालत ऐसी हो गई है जैसे नए दूल्हे की नसबंदी करा दी हो। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी या प्रियंका गांधी से नाराज नहीं हैं, प्रदेश नेतृत्व से नाराज हैं।

2014 से शुरू किया आंदोलन

हार्दिक पटेल 2014 में सरदार पटेल ग्रुप से जुड़े और आगे चलकर पाटीदार आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। एक तरह से कहें तो यह समय उनके पॉलिटिकल कैरियर की शुरुआत थी। उन्होंने सितंबर 2015 में पटेल नवनिर्माण सेना का गठन किया। मकसद कुर्मी, पाटीदार और गुर्जर समुदाय को OBC में शामिल करना और उन्हें सरकारी नौकरियां दिलाना था। इसी आंदोलन के दौरान हार्दिक पहली बार सुर्खियों में आए।

हार्दिक पर लगे कई आरोप

कांग्रेस में रहते हुए हार्दिक पर कई तरह के आरोप लग चुके हैं। पाटीदार नेता पर राष्ट्रीय झंडे के अपमान करने का आरोप लगाया गया था, जिसके चलते उन पर केस भी दर्ज किया गया। इसके अलावा उनका एक सीडी कांड भी खूब चर्चित रहा। सीडी कांड में वे एक एक लड़की के साथ आपत्तिजनक हालत में दिखे थे। मामले में हार्दिक ने सफाई दी थी कि मैं युवा हूं और ये मेरी पर्सनल लाइफ है।

'आप' का गुजरात मिशन:6 जून को अहमदाबाद और उत्तर गुजरात में रैली करेंगे केजरीवाल, परिवर्तन यात्रा का करेंगे समापन

गुजरात विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे है ऐसे में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं एक के बाद एक कार्यक्रम में गुजरात के दौरे पर पधार रहे है। कांग्रेस के नेता और सांसद राहुल गांधी 12जून को नवसारी के वांसदा तालुका के चारणपाडा में सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे।

वहीं, दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी गुजरात दौरे पर पधार रहे है। राहुल गांधी वांसदा में आदिवासी अधिकार सत्याग्रह रैली का समापन करेंगे, वहीं केजरीवाल जनसंपर्क यात्रा का समापन करेंगे।

विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे केजरीवाल

आम आदमी पार्टी द्वारा संपूर्ण गुजरात में 6 जोन में 15 मई से परिवर्तन यात्रा शुरू की गई है। जिसकी पूर्णाहुति कार्यक्रम में केजरीवाल आगामी 6 जून को गुजरात पधारेंगे। गुजरात में पिछले 2 महीने में केजरीवाल का यह चौथी यात्रा होगी।

6 जून को केजरीवाल उत्तर गुजरात में चुनाव प्रचार करेंगे जो रणनीति पाटीदारों मतों को प्रभावित करेगी। सीएम केजरीवाल यहां विशाल जनसमुदाय को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद के महेसाणा में एक रैली करेंगे। साथ ही पार्टी ने यह भी तय किया है कि वे विधानसभा चुनाव उम्मीदवार भाजपा और कांग्रेस से पहले घोषित करेंगे।

भाजपा के गढ़ महेसाणा में तिरंगा यात्रा से शुरुआत

आप के भगत पटेल ने बताया कि केजरीवाल दिल्ली से सीधे महेसाणा पहुंचकर विशाल तिरंगा यात्रा करेंगे।

जिसमें 20 हजार से अधिक लोग रैली में शामिल होंगे। महेसाणा को भारतीय जनता पार्टी का गढ़ माना जाता है। तब विशाल तिरंगा यात्रा की शुरूआत सर्वप्रथम महेसाणा से ही की जाएगी।

इसके बाद अरविंद केजरीवाल कुछ समय के लिए तोरणवाडी माता चौक पर सभा को संबोधित करेंगे। जबकि आगामी दिनों में उत्तर गुजरात में पार्टी की ओर से विशाल रैलियां आयोजित की जाएगी।

SPORTS खेल जगत

इंग्लैंड 141 रन पर ढेर:लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 49 रन बनाने में गंवाए 8 विकेट, फिर भी न्यूजीलैंड पर 9 रन की बढ़त

इंग्लैंड-न्यूजीलैंड लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड अपनी पहली पारी में 9 रन की मामूली बढ़त लेकर सिमट गई। पहली पारी में न्यूजीलैंड के 132 रन के जवाब में इंग्लैंड की टीम भी 141 रन ही बना सकी। एक समय 92/2 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में दिख रही इंग्लैंड की टीम ने अपने आखिरी 8 विकेट 49 रन बनाने में गंवा दिए। उसकी ओर से सबसे ज्यादा 43 रन ओपनर जैक क्राउली ने बनाए। वहीं साथी ओपनर एलेक्स लीस ने 25 रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ट को 3 और काइल जैमिसन को 2 विकेट मिले। ऑल-राउंडर कॉलिन डी ग्रैन्डहोम को भी एक सफलता मिली।

अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई इंग्लैंड की टीम

सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड की टीम अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई।

पहली पारी में न्यूजीलैंड को 132 पर निपटाने के बाद इंग्लैंड को बल्लेबाजी में भी अच्छी शुरुआत मिली। उसके ओपनर जैक क्राउली और एलेक्स लीस ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। जैक क्राउली को 43 रन के निजी स्कोर पर आउट कर जैमिसन ने न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद इंग्लैंड की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

पहला विकेट गिरने के बाद 82 रन जोड़कर पूरी टीम आउट

तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए ओली पॉप 7 रन बनाकर 75 के टीम स्कोर पर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद पूर्व कप्तान जो रूट भी 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शुरू से टिककर खेल रहे एलेक्स लीस भी 25 रन बनाकर जल्द ही आउट हो गए। इन लगातार झटकों से इंग्लैंड की टीम आखिरी तक नहीं उबर सकी। जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स 1-1 रन बनाकर आउट हुए। टीम के पुछल्ले बल्लेबाज भी कोई कमाल नहीं कर सके और इंग्लैंड की टीम 9 रन की लीड के साथ पहली पारी में 141 पर आउट हो गई। उसके सिर्फ 3 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सके।

हकदार खिलाड़ी जिन्हें नहीं मिली टीम इंडिया में जगह:सैमसन-धवन के IPL में 400+ रन, नटराजन के 18 विकेट भी नहीं आए काम

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज की शुरुआत 9 जून से हो रही है। टीम में कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवा चेहरों को मौका दिया गया है। अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक को IPL-15 में उनके प्रदर्शन को आधार बनाते हुए पहली बार टीम में जगह मिली है। हालांकि, टूर्नामेंट में कई ऐसे खिलाड़ी भी थे जिनको उनके प्रदर्शन का इनाम नहीं मिला। आइए आपको ऐसे ही 5 खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं, जो टीम इंडिया में खेलने के हकदार थे..

शिखर धवन: बल्ले से लगातार बना रहे रन फिर भी मौका नहीं मिला

टीम इंडिया और पंजाब के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का बल्ला IPL के 15वें सीजन में खूब बोला। उन्होंने इस सीजन 14 मैचों में 122.67 के स्ट्राइक रेट से 460 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी धवन 66 टी-20 पारियों में 126.66 के स्ट्राइक रेट से 1758 रन बना चुके हैं, लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए उन्हें ओपनिंग का विकल्प तक नहीं माना गया। धवन की जगह टीम में ओपनर के तौर पर चुने गए ऋतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन का प्रदर्शन IPL-15 में शिखर से बेहतर नहीं रहा है, फिर भी शिखर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में मौका नहीं दिया गया। इस साल नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाना है और जिस तरह गब्बर का बल्ला चल रहा है, उनकी और रोहित शर्मा की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया में कमाल कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया में ही खेले गए 2015 के वनडे वर्ल्ड कप में दोनों खिलाड़ियों की जोड़ी ने खूब रन भी बनाए थे। संजू सैमसन: 2015 में डेब्यू और अब तक खेले सिर्फ 13 टी-20 मैच IPL-15 में अपनी शानदार कप्तानी के कारण हर तरफ छाए रहे संजू सैमसन को भी टीम इंडिया के चयनकर्ताओं ने इग्नोर कर दिया। वे टॉप ऑर्डर या मिडिल ऑर्डर में तेज बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का विकल्प हो सकते थे। अपने IPL करियर में 3500 से ज्यादा रन बना चुके संजू ने IPL-15 में भी 146.79 के स्ट्राइक रेट से 458 रन बनाए। वे एक अनुभवी विकेटकीपर भी हैं।

संजू सैमसन को टीम इंडिया के चयनकर्ताओं ने कभी भी ज्यादा तरजीह नहीं दी है। वो लगातार अपने आप को साबित करते आए हैं, लेकिन उन्हें अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट में पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं। साल 2015 में पहला इंटरनेशनल टी-20 मैच खेलने के बाद संजू ने अब तक सिर्फ 13 इंटरनेशनल टी-20 मुकाबले खेले हैं। ऐसे में जिस तरह के फॉर्म में संजू सैमसन हैं, उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ मौका दिया जा सकता था।

राहुल त्रिपाठी: 158 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए पर भारतीय टीम में जगह नहीं पिछले कुछ सालों से IPL और घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करते आ रहे राहुल त्रिपाठी को एक बार फिर चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज कर दिया है।

पाकिस्तानी विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान का बयान:भारतीय खिलाड़ी भी भारत-पाक सीरीज के समर्थक, इंडियन प्लेयर्स का नाम नहीं बताया

रिजवान के बयान से उठे सवाल

पहले भी पाकिस्तान के पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों ने भारत से क्रिकेट संबंध बहाल करने की मांग की है। इस कड़ी में नई बात यह है कि पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने एक बयान दिया है।

इंग्लैंड में काउंटी खेलकर लौटे रिजवान ने कहा कि भारतीय क्रिकेटर भी पाकिस्तान के खिलाफ खेलना चाहते हैं, लेकिन सीरीज तय करना और देशों के बीच मसलों को सुलझाना खिलाड़ियों के नियंत्रण में नहीं हैं। उनके इस बयान ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। किसी भी सामान्य क्रिकेट फैन के मन में सबसे पहला सवाल यह होगा कि आखिर यह कौन-सा भारतीय क्रिकेटर है, जो पाकिस्तान से द्विपक्षीय सीरीज खेलना चाहता है? दूसरी बात यह है कि चेतेश्वर पुजारा से मिली बर्थडे बधाई के बाद कहीं ओवर कॉन्फिडेंस में रिजवान की जुबान तो नहीं फिसल गई। हालांकि, यह भी दिलचस्प है कि अब तक पुजारा की विश का रिजवान ने कोई जवाब नहीं दिया है। रमीज राजा का बयान खूब चर्चा में रहा था PCB प्रमुख बनने पर रमीज राजा ने तो यहां तक कहा था कि वह BCCI प्रमुख सौरव गांगुली से बात करेंगे। भारत को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए। साथ ही कहा कि पाकिस्तान का क्रिकेट भारत के दम पर चलता है। अगर वह चाहे तो पाकिस्तान क्रिकेट बर्बाद हो जाएगा। हालांकि, जब उनके साथ ही उनके खिलाफ खड़े हुए तो तत्काल अपने ही विवाद से पल्ला झाड़ लिया। रमीज राजा को पता था कि गांगुली मौजूदा हालात में द्विपक्षीय सीरीज के लिए कभी सहमत नहीं होंगे। वह तो 2019 वर्ल्ड कप में भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने के पक्ष में नहीं थे।

क्या है रिजवान के बयान का चेतेश्वर पुजारा कनेक्शन दरअसल, रिजवान यह बात बखूबी जानते हैं कि उनके इस बयान का क्या मतलब है और 'पाकिस्तान से खेलने की चाह रखने वाले भारतीय क्रिकेटर' कहने से किस खिलाड़ी की ओर इशारा होगा। यह सबको पता है कि इस बयान के बाद सिर्फ और सिर्फ पुजारा पर उंगली उठेगी। इन दोनों ने एक साथ काउंटी टीम ससेक्स के लिए डेब्यू किया था। उनकी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं।

पुजारा को रिजवान की बयानबाजी बना सकती है भारत में विलेन

पुजारा भी जानते हैं कि पाकिस्तान से द्विपक्षीय क्रिकेट खेलने की चाहत जताने भर से वह भारतीय फैंस के लिए विलेन बन जाएंगे। नवजोत सिंह सिद्धू, युवराज सिंह और हरभजन सिंह इसके उदाहरण हैं।

भज्जी और युवी ने शाहिद आफरीदी फाउंडेशन का सपोर्ट किया था और इसके बाद उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। बाद में आफरीदी ने असली रंग दिखाते हिए कश्मीर के मुद्दे पर जमकर गलतबयानी की, जिसके जवाब में उनकी दोस्ती से भज्जी और युवी ने तौबा कर ली।

जब तक अपनी नापाक हरकत से पाक बाज नहीं आता, तब तक कोई क्रिकेट नहीं इस पूरे मामले में भारतीय क्रिकेट फैंस और सरकार अपने पुराने स्टैंड पर कायम हैं। जब तक पाकिस्तान अपने नापाक इरादों को नहीं त्याग देता, तब तक किसी तरह का खेल संभव नहीं है। आए दिन सीमा पर सीजफायर के उल्लंघन की खबर आती रहती हैं। वह कश्मीर पर जहर उगलने से बाज नहीं आता।

देश परदेश

रूस के प्रति क्या अब नरम पड़ रहा है अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों का रुख?

यूक्रेन युद्ध में बन रहे ताजा हालात पर क्या रणनीति अपनाई जाए, इसको लेकर पश्चिमी देशों में भ्रम बढ़ने के संकेत हैं। यूक्रेन के दोनबास इलाके में अब रूस ने स्पष्ट बढ़त बना ली है। इसे देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को 80 बिलियन डॉलर के सैनिक साजो-सामान देने की घोषणा इस हफ्ते सोमवार को की। लेकिन उसके तुरंत बाद उनके प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अमेरिका यूक्रेन को वैसी मिसाइलें नहीं देगा, जो रूसी सीमा के पार जाकर निशाना साध सकें।

इसके पहले रूस ने चेतावनी दी थी कि ऐसी मिसाइलें यूक्रेन को देने का मतलब 'रेड लाइन' (लक्ष्मण रेखा) को पार करना होगा। बाइडन प्रशासन ने मिसाइलों के बारे में जिस तरह रूसी चेतावनी पर ध्यान देते हुए स्पष्टीकरण दिया, उससे कई टीकाकारों ने सवाल उठाया है कि क्या अमेरिका अब रूस से मेलमिलाप का रास्ता तलाश रहा है? महंगाई बढ़ने से सभी देश चिंतित अखबार वाशिंगटन पोस्ट के पूर्व विदेश संवाददाता डैनियल विलियम्स ने एक टिप्पणी में लिखा है- '(व्लादिमीर) पुतिन के प्रति शांति के इस संकेत का मतलब क्या है? अमेरिका शायद अपने आर्थिक मसलों के कारण नरम रुख अपनाना रहा है। ईंधन की बढ़ती बढ़ती कीमतों से कुल महंगाई बढ़ी है, जिसका एक कारण युद्ध भी है। साथ ही जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल घटाने की उसकी कोशिश धीमी पड़ गई है। उर्वरकों की कमी हो गई है, जिनका ज्यादातर उत्पादन रूस और यूक्रेन में होता है। उर्वरकों की कमी के कारण गेहूं और मक्के की खेती में मुश्किलें आ रही हैं।' विलियम्स लॉस एंजिल्स टाइम्स और मियामी हेराल्ड के भी विदेश संवाददाता रह चुके हैं।

इसके अलावा उन्होंने मानव अधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स वॉच के लिए अनुसंधान कार्य भी किया है। रुख में नरमी का संकेत सिर्फ अमेरिका ने ही नहीं दिया है। पिछले हफ्ते इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को फोन किया। उस दौरान उन्होंने संकेत दिया कि अगर पुतिन यूक्रेन के बंदरगाहों से गेहूं का निर्यात होने दें, तो यूरोप रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों में ढील दे सकता है। दो दिन बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने द्राघी के इस रुख की कड़ी आलोतना की। इसके बावजूद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज ने पुतिन को फोन कर युद्ध रोकने की गुजारिश की। खबरों के मुताबिक उन दोनों प्रतिबंधों में ढील का तो कोई संकेत नहीं दिया, लेकिन पुतिन से यह जरूर कहा कि वे यूक्रेन से गेहूं की खेपों को बाहर निकलने दें और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की के साथ शांति वार्ता शुरू करें। किसी की जीत नहीं होगी इस जंग से वेबसाइट एशिया टाइम्स पर छपे एक विश्लेषण में कहा है कि अमेरिका और यूरोप के नेता यह संकल्प जताते रहे हैं कि वे मिल कर यूक्रेन की मदद करेंगे, ताकि वह रूसी हमले का मुकाबला कर सके। लेकिन यूरोप में इस मसले पर हाल में मतभेद उभरने के संकेत मिले हैं।

कई यूरोपीय राजधानियों में ये राय ठोस रूप ले रही है कि इस युद्ध में कोई विजयी नहीं होगा। जबकि युद्ध के कारण न सिर्फ बड़ी संख्या में सैनिक बल्कि यूक्रेन के आम नागरिक भी मारे जा रहे हैं। दूसरी तरफ इस युद्ध के कारण दुनिया भर में आर्थिक मुसीबतें बढ़ी हैं। कई देश मंदी के कगार पर पहुंच गए हैं। गरीब देशों में भुखमरी की आशंका बढ़ गई है। कई विश्लेषकों ने सवाल उठाया है कि क्या इसी सूरत के कारण अब शायद पश्चिमी देश युद्ध जल्द से जल्द खत्म कराने को प्राथमिकता दे रहे हैं?

पाकिस्तान: पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से लोग हलकान, नागरिक उड्डयन कर्मचारी ने गधा गाड़ी से ऑफिस आने की मांगी इजाजत

पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक कर्मचारी ने सरकार द्वारा एक बार फिर ईंधन की कीमतें बढ़ाने के बाद काम करने के लिए गधा गाड़ी की सवारी करने की अनुमति मांगी। डॉन अखबार के मुताबिक, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) के महानिदेशक को लिखे एक पत्र में राजा आसिफ इकबाल, जो 25 वर्षों से सेवा में हैं और अब इस्लामाबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति ने न केवल गरीब लोगों की कमर तोड़ दी है लेकिन मध्यम वर्ग भी इसकी चपेट में है। उन्होंने सीएए पार्किंग में एक गधा गाड़ी लाने की अनुमति मांगी है। सीएए प्रवक्ता ने मीडिया स्टंट करार दिया इकबाल ने कहा कि इस महंगाई में संगठन ने परिवहन सुविधा को रोक दिया है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के कारण निजी परिवहन का इस्तेमाल करना असंभव हो गया है। कृपया मुझे मेरी गधा गाड़ी को हवाई अड्डे पर लाने की अनुमति दें। हालांकि, सीएए प्रवक्ता सैफुल्ला खान ने कहा कि स्टाफ के हर सदस्य को ईंधन भत्ता दिया जाता है। उन्हें पिक-एंड-ड्रॉप सेवा दी जाती है। हवाई अड्डे पर कर्मचारियों के लिए मेट्रो बस सेवा भी उपलब्ध है। खान ने कहा कि इस तरह का आवेदन मीडिया स्टंट से ज्यादा कुछ नहीं है। सरकार ने पिछली बढ़ोतरी के एक हफ्ते बाद शुक्रवार को फिर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की। पेट्रोल की कीमत अब 209.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 204.15 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। एक संवाददाता सम्मेलन में वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने कहा कि वह पिछली इमरान खान सरकार के गलत फैसलों के कारण देश को दिवालिया नहीं होने दे सकते। अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ रही हैं और सरकार को पेट्रोलियम सब्सिडी पर प्रति माह लगभग 120-130 अरब रुपये का नुकसान हो रहा है।

शोधकर्ताओं का दावा, लिक्विड बायोप्सी टेस्ट से शुरुआत में ही लगा सकेंगे कैंसर का पता

कैंसर का शुरुआती चरण में पता चलना मुश्किल होता इसलिए जब बीमारी बढ़ती है तो उसका इलाज ज्यादा जटिल हो जाता है। इन समस्याओं से निपटने के लिए लगातार शोध हो रहे हैं।

इसी क्रम में माउंट सिनाई के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि एक सामान्य ब्लड टेस्ट, लिक्विड बायोप्सी से इस बात का एक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है कि फेफड़े के कैंसर रोगियों पर इम्यूनोथेरेपी का असर होगा या नहीं। इसके साथ ही यह पूर्वानुमान या आकलन इन्वेसिव ट्यूमर बायोप्सी तकनीक से होने वाली जांच की तुलना में ज्यादा विश्वसनीय होगी। यह अध्ययन 'एक्सपेरिमेंटल एंड क्लीनिकल कैंसर जर्नल' में प्रकाशित हुआ है।

रोगी के जीवित बचने के बारे में ज्यादा सटीक पूर्वानुमान

लिक्विड बायोप्सी से पीडी-एल1 बायोमार्कर की जांच की जाती है। यह एक प्रकार का प्रोटीन होता है, जो एक प्रकार के इम्यूनोथेरेपी को टारगेट करता है, जिसे चेकप्वाइंट इन्हीबिटर कहते हैं। यह रोगी के इम्यून सिस्टम पर हमले में मदद करता है और कैंसर कोशिकाओं को मारता है। यह अध्ययन दर्शाता है कि फेफड़े के कैंसर रोगियों में पीडी-एल1 बायोमार्कर की जांच रोगी के ब्लड टेस्ट से हो सकती है और इससे रोगी के जीवित बचने के बारे में ज्यादा सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इस तरह की जांच मौजूदा प्रचलित लंग कैंसर बायोप्सी से पीडी-एल1 की जांच से अधिक विश्वसनीय होती है।

उन रोगियों के लिए फायदेमंद जिनमें विश्वसनीय बायोमार्कर नहीं मिला शोधकर्ताओं का कहना है कि रक्त में पाया जाने वाला बायोमार्कर ईवी पीडी-एल1 कोशिकाओं की बाहरी वेसिकल से आते हैं, जो ट्यूमर कोशिकाओं से मिलते हैं। इसलिए रक्त में बाहरी कोशिकाओं के वेसिकल (पुटिकाएं) में पीडी-एल1 की कम मात्रा से यह पता लगाया जा सकता है कि नान-स्माल-सेल वाले कौन से लंग कैंसर के रोगी को इम्यूनोथेरेपी से फायदा होगा। माउंड सिनाई में इकाहन स्कूल ऑफ मेडिसिन में हीमैटोलाजी एंड ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर व इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक क्रिश्चियन रोल्फो ने बताया कि इस टेस्ट के परिणाम उन रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, जिनमें अभी तक कोई विश्वसनीय बायोमार्कर नहीं पाया गया है और इससे इम्यूनोथेरेपी के होने वाले असर का भी पूर्वानुमान मिलेगा।

फिल्म सौंकन सौंकने की सफलता के राज का सरगुन मेहता ने किया खुलासा

अभिनेत्री सरगुन मेहता के लिए काफी अच्छा वक्त चल रहा है, काफी खुश है अभिनेत्री। दरअसल फिल्म सौंकन सौंकने जिसको खुद अभिनेत्री ने निर्मित किया है और उसमें मुख्य भूमिका में नजर आई हैं। इस फिल्म ने बॉक्स, फैंस इस फिल्म को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अभिनेत्री का कहना है कि, मेरी पहली प्रतिक्रिया खुशी से उछलने की थी। मैं पिछले तीन वर्षों से फिल्म पर काम कर रही हूं। जब से मैंने कहानी सुनी, मैं इस फिल्म के लिए लेखक के पीछे थी। फिर मैंने इसे एक निर्माता के रूप में लिया, आज फिल्म कमाल कर रही है। मुझे अच्छा लगता है कि लोग फिल्म को पसंद कर रहे हैं। मुझे लगता है कि दर्शकों में आपका विश्वास बनाने में लंबा समय लगता है। अभिनेत्री सरगुन मेहता ने अपनी फीचर फिल्म की शुरूआत 2015 की पंजाबी रोमांटिक कॉमेडी अंगरेज से की और लव पंजाब और लाहौरिए सहित अन्य पंजाबी फिल्मों में भी दिखाई दी है। एक्टिंग और प्रोडक्शन दोनों को सरगुन मेहता का कहना है, दोनों कार्यक्षेत्रों को प्रबंधित करना मुश्किल है। यह बहुत कठिन था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी और काम किया। मुझे कभी कभी लगा कि मैं हार गई हूं पर फिर मैने खुद को हारने नहीं दिया और हर दिन काम किया। यह टेलीविजन की तरह नहीं है जैसे आपने अपनी भूमिका निभाई है, यह हर दिन का काम है। वास्तव में, इस फिल्म के साथ, मैं था दो साल तक जोर दिया। इसके अलावा, कोविड – 19 महामारी के दौरान शूटिंग ने इस परियोजना को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया।

बॉबी देओल के साथ काम करने को लेकर अदिति पोहनकर ने की बात

अभिनेत्री अदिति पोहनकर ने कहा कि आश्रम श्रृंखला में उनका ऑन–स्क्रीन चरित्र, परमिंदर उर्फ पम्मी, उनके काफी करीब है और वह कई तरह से अपनी भूमिका से संबंधित हैं। मेरे और पम्मी के बीच सबसे महत्वपूर्ण समानता यह है कि मैं भी साहस और सच्चाई से अपनी बात कहती हूं, जिसके लिए पम्मी खड़ी है और मेरी नैतिकता जो मेरे परिवार से आती है, मुझे लगता है कि यही आधार है कि मैं कौन हूं। प्रकाश झा–निर्देशन में बॉबी देओल मुख्य भूमिका में धर्मगुरु बाबा निराला के रूप में फिर नजर आएंगे। पम्मी बाबा का सच सामने लाने के लिए हर कोशिश कर रही है। तीन सीजन तक सीरीज में रहने के दौरान, पम्मी का किरदार निभाना अदिति के लिए हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। वह बताती है कि मैं बहुत मेहनत की है। मुझे अपना वजन बढ़ाना था। मुझे एक पहलवान की तरह दिखना था, मैं एक खिलाड़ी हूं। महाराष्ट्र में हमारे पास वास्तव में कुश्ती के मैदान नहीं हैं, वे केवल हरियाणा की ओर हैं। इसलिए एक पहलवान की शारीरिक भाषा और संपूर्ण रूप को समझने के लिए, मैं मुंबई में कहीं नहीं जा सकती थी, तो, मैंने एक स्मार्ट गेम खेला। मैंने सर से पूछा कि क्या मैं कुश्ती करने वाली लड़कियों के साथ कुछ समय बिता सकती हूं, और फिर मैंने उनके साथ बहुत अच्छा समय बिताया, साथ उन सभी से बहुत कुछ सीखा भी।

मुन्ना भाई– 3 पर बोले अरशद वारसी

एक ही सा काम करके घुटन होने लगती है

मुन्ना भाई फ्रेंचाइजी के फैन्स इसके तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। अरशद वारसी का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि फिल्म बनेगी। 16 साल हो गए हैं और एक सा रोल करने में घुटन होती है। बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों के सीक्वल के साथ मुन्ना भाई के फैन्स भी इसके तीसरी किस्त का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अरशद वारसी ने फिल्म पर अपनी राय रखी है। उन्होंने मूवी में सर्किट का रोल प्ले किया था। अरशद को लगता है कि मुन्ना भाई एमबीबीएस का पार्ट 3 कभी नहीं बनेगा। उनका कहना है कि वह अब इस फिल्म से आगे बढ़ जाना चाहते हैं। वह यह भी चाहते हैं कि काश तीसरा पार्ट बन जाता ताकि सबको एंडिंग मिल जाती है। लेकिन लंबा वक्त हो गया है।

–फिल्म ने दिया करियर को फिर से आकार

राज कुमार हिरानी के डायरेक्शन में बनी फिल्म की मुन्ना भाई एमबीबीएस का पहला पार्ट 2003 में आया था। इसके बाद सीक्वल लगे रहो मुन्ना भाई था। इनमें अरशद वारसी ने बिना पढ़े–लिखे गुंडे सर्किट का रोल निभाया था। अरशद से फिल्म के तीसरे पार्ट के बारे में भी पूछा गया। उन्होंने बातचीत में कहा, मुन्ना भाई एमबीबीएस ने मेरे करियर को फिर से साकार किया था। फिल्म के तीन–चार साल पहले तक मेरे पास कोई फिल्म नहीं थी। मैं लोगों की नजरों से दूर था।

–बोले– अब बहुत देर हो चुकी

अगली फिल्म कब आएगी, इस पर अरशद ने जवाब दिया, लगे रहो के बाद हम 16 साल से इंतजार कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि तीसरा पार्ट कभी आएगा। काश ऐसा होता ताकि कहानी की प्रॉपर एंडिंग हो पाती। दर्शकों के लिए इतना तो बनता है लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है।

जुग जुग जीयो के द पंजाब सॉन्ग को मिली प्रतिक्रिया से जहराह एस. खान खुश

अभिनेत्री से गायिका बनीं जहराह एस. खान, जिन्होंने वरुण धवन अभिनीत फिल्म जुग जुग जीयो का हाल ही में रिलीज हुआ गाना द पंजाबबन सॉन्ग गाया है। ग्रूवी डांस नंबर में वरुण धवन के साथ कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर ढोल की थाप पर भांगड़ा करते हैं। यह गीत बहुत सम्मानित पाकिस्तानी ट्रैक नच पंजाबन का एक ताजा गायन है। उन्होंने कहा, दोस्त और परिवार मुझे यह बताने के लिए कॉल कर रहे हैं कि उन्हें यह कितना पसंद आया। अब जब मैं वीडियो देखती हूं, तो मुझे लगता है कि वरुण, कियारा, अनिल सर और नीतू मैम ने नंबर की एनर्जी बढ़ा दी है। ट्रैक को तनिष्क बागची ने अबरार उल हक के बोल के साथ डिजाइन किया है। मूल नच पंजाबन गीत अबरार द्वारा गाया गया था।

कीर्ति नागपुरे ने

प्यार का पहला नाम राधा मोहन में अपने किरदार को लेकर खोले कई राज

टीवी एक्ट्रेस कीर्ति नागपुरे ने शो प्यार का पहला नाम राधा मोहन में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। अपन किरदार के बारे में बात करते हुए, कीर्ति ने कहा, मैं प्यार का पहला नाम राधा मोहन में तुलसी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं। यह भूमिका अन्य भूमिकाओं से बेहद अलग है। नागपुरे ने कहा कि यह पहली बार है जब मैं एक काल्पनिक भूमिका निभा रही हूं। मेरा मानना है कि हर भूमिका की एक अलग यात्रा होती है और उनके उद्देश्य भी अलग होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शो में अपने किरदार को सुनने के बाद, मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दी, क्योंकि यह एक अनोखा किरदार था। मुझे उम्मीद है कि लोग तुलसी के मेरे किरदार को खूब प्यार देंगे। प्यार का पहला नाम राधा मोहन जी टीवी पर प्रसारित होता है।

कनिका कपूर ने बताया आखिर क्यों लिया दूसरी शादी करने का फैसला

सिंगर कनिका कपूर ने इसी महीने अपने बॉयफ्रेंड गौतम से लंदन में शादी की है। शादी के बाद अब कनिका इंटरव्यूज के जरिए अपनी शादी और पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात कर रही हैं और सारे अपडेट दे रही हैं।

कनिका कपूर ने हाल ही बॉयफ्रेंड गौतम से लंदन में दूसरी शादी की है। सिंगर ने खुद सोशल मीडिया पर शादी की फोटोज शेयर की हैं। कनिका की ये दूसरी शादी है। इससे पहले कनिका ने 18 साल की उम्र में पहली शादी की थी। हालांकि फिर दोनों 2012 में अलग हो गए थे। तो अब सिंगर ने दूसरी शादी को लेकर बात की है। कनिका का कहना है कि वह शादी में विश्वास रखती हैं और वह यह भी मानती हैं कि कभी–कभी आप ऐसी शादी में होते हैं कि आपका पार्टनर आपको नहीं समझता या हम नहीं समझते। लेकिन इसमें किसी की गलती नहीं है। वैसे सबसे जरूरी बात ये है कि लाइफ में आपको मूव ऑन जरूर करना चाहिए। कनिका ने कहा, मैं लखनऊ में रही हूं। मैं बड़ी ज्वाइंट फैमिली में रही हूं। मैं अपने परदादा, दादा, अंकल, आंटी और पैरेंट्स के सामने बड़ी हुई हूं। इन सबको मैंने हैप्पी मैरिड लाइफ एंजॉय करते देखा है। मैं खुद शादी में विश्वास रखती हूं और ये भी समझती हूं कि कभी–कभी आप ऐसी शादी में होती हो कि आपका पार्टनर आपको नहीं समझता हो या आप ना समझे। इसमें किसी की कोई गलती नहीं है। अच्छा यही है कि आप लाइफ में मूव ऑन हो।

–एक्स पति के साथ अच्छा बॉन्ड

कनिका का कहना है कि वह अब भी अपने एक्स पति के साथ अच्छा बॉन्ड है। उन्होंने कहा, मेरे एक्स पार्टनर और मेरे बीच अच्छा रिश्ता है। वह और मैं एक–दूसरे का हमेशा अच्छा सोचते हैं। किसी एक को जरूरत होती है तो दूसरा हमेशा उसका साथ रहता है। मुझे लगता है कि ऐसे ही आपको बिना किसी गलत फीलिंग के साथ मूव ऑन करना चाहिए।

कार्तिक हैरान भूल भुलैया 2 हिट होने के बाद

भाव बढ़ने की उड़ गई बात

फिल्म हिट होते ही फिल्म स्टार्स अपनी फीस बढ़ा देते हैं। बॉलीवुड में ये परंपरा वर्षों से चली आ रही है। फिल्म फ्लॉप होने के बाद कोई अपनी फीस कम नहीं करता और असफलता का दोष एक–दूसरे के सिर पर मढ़ दिया जाता है। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की मूवी भूल भुलैया 2 धमाल मचाए हुए है। कार्तिक आर्यन के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म यह बन गई है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस मूवी में कार्तिक आर्यन और तब्बू भी हैं। फिल्म को बच्चे भी पसंद कर रहे हैं और गर्मियों की छुट्टियों में अपने माता–पिता के साथ थिएटर में यह फिल्म देखने के लिए आ रहे हैं। जैसे ही यह फिल्म हिट हो गई किसी ने अफवाह फैला दी कि कार्तिक आर्यन के भाव बढ़ गए हैं। पहले वे 10 से 15 करोड़ रुपये फीस एक फिल्म करने के बदले में लेते थे अब 30 से 35 करोड़ रुपये मांगने लगे। देखते ही देखते यह अफवाह कई जगह छिप गई और कार्तिक के कानों तक जा पहुंची। कार्तिक अब बॉलीवुड के समझदार खिलाड़ी बन गए हैं। फौरन ताड़ गए कि इस तरह की बातों से भला तो नहीं होगा, लेकिन नुकसान जरूर हो जाएगा। प्रोड्यूसर्स दूरी बना लेंगे और लोग समझेंगे कि यह स्टार मौके का फायदा उठा रहा है। फौरन उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात का खंडन करते हुए इसे बेसलेस बताया।

आश्रम 3 में ईशा गुप्ता लगाएंगी बोल्डनेस का तड़का

आश्रम वेबसीरिज ने भारत में लोकप्रियता का नया रिकॉर्ड बनाया है। दूसरे सीज़न के बाद तीसरा सीज़न एमएक्स प्लेयर पर 3 जून से शुरू होने जा रहा है और इसके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रकाश झा की इस वेबसीरिज में बॉबी देओल लीड रोल में हैं। ईशा गुप्ता भी नजर आने वाली है। एक बार फिर से लौट आया है, काशीपुर वाले बाबा का साम्राज्य। एक बार फिर से कानों में गूंजेगी जपनाम की आवाज। एक बार फिर से बाबा के काले मनसूबों का फैलेगा मायाजाल और एक बार फिर से बाबा की अंधेर नगरी में जुल्म मचाएगी हाहाकार। बाबा निराला लौट आया है और तीसरे सीज़न में वह और शक्तिशाली और चतुर है, जो इस इस बार सिर्फ बाबा का चोला ओढे नहीं बल्कि कलयुग का भगवान बनकर खुल्लम खुल्ला भक्तों के आस्था से खिलवाड़ करेगा क्योंकि अब तो ये आश्रम एक बदनाम आश्रम हो गया है। एक बदनाम आश्रम का बाबा जो अपने अनुकूल हर नियम को मोड़ते रहा है। अब, सत्ता के लिए उसकी लालसा तेज हो गई है, जिससे वह अजेय हो गया है। वह सोचता है कि वह भगवान है। आश्रम की शक्ति चरम पर है। इस बदनाम आश्रम में महिलाओं का शोषण जारी है, नशीली दवाओं का व्यापार फल–फूल रहा है और वह शहर की राजनीति को नियंत्रित करता है। दूसरी ओर, भगवान निराला से बदला लेने के लिए पम्मी की रातों की नींद उड़ी हुई है। क्या उजागर सिंह पम्मी को न्याय दिलान और बदनाम आश्रम का पर्दाफाश करने में मदद कर पाएंगे? इन सारे सवालों के जवाब आश्रम 3 में मिलेंगे।

सीखो और कमाओ कार्यक्रम शिक्षा के उभरते क्षेत्र हैं

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

राष्ट्रीय रोजगार वृद्धि मिशन (NEEM) का उद्देश्य किसी भी तकनीकी या गैर-तकनीकी स्ट्रीम में पोस्ट ग्रेजुएशन / स्नातक / डिप्लोमा करने वाले व्यक्ति की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए नौकरी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। यदि किसी छात्र को वित्तीय सीमाओं के कारण शिक्षा प्रणाली से बाहर होना पड़ा तो वे छात्र अब उसकी रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं । सीखो और कमाओ कौशल वर्धित एक उपयुक्त मॉडल है जिसका महान रोजगार मूल्य है।

अधिक से अधिक तकनीकी कार्यक्रम अब लचीली क्रेडिट आधारित प्रणाली के तहत विकसित किए जा सकते हैं जो छात्रों को व्यावहारिक, फील्ड प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव से आवश्यक क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति दे सकते हैं। इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित पेशेवरों के पंथ एक पूर्णकालिक तकनीकी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के वित्तीय बोझ से गुजरे बिना तकनीकी नौकरी हासिल करने

के सपने को पूरा करने में सक्षम होंगे।

स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने वाले उम्मीदवार पहले से ही विशिष्ट कार्यों के लिए प्रशिक्षित होते हैं और कार्यालयों में अर्जित कौशल के लिए संभावित रूप से रोजगार योग्य होते हैं।

सीखने और कमाने का हाइब्रिड मॉडल उन उम्मीदवारों के लिए एक आदर्श संयोजन होगा जो अपनी स्नातकोत्तर शिक्षा का समर्थन करना चाहते हैं। बड़ी फर्में ऐसे स्नातकों को इंटर्नशिप पदों की पेशकश कर सकती हैं और उनकी संभावित योग्यता में सुधार करते हुए उनके कौशल वृद्धि के लिए लचीलेपन की अनुमति दे सकती हैं। पेशेवर रूप से प्रशिक्षित स्नातकों के ये योग्य पंथ उद्यमी नेताओं के रूप में उभरेंगे और सहयोगी स्टार्ट अप प्रथाओं को स्थापित कर सकते हैं।

आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिज़ाइन, लैंडस्केप, प्रोडक्ट डिज़ाइन, फ़ैशन, फ़र्नीचर और सेट डिज़ाइन के क्षेत्र कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो अपने स्नातकों के लिए इन मॉडलों की पेशकश कर सकते हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा शुरू किए गए कई डिग्री स्तर के कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता ढांचे (NSQF) के तहत हैं। इन कार्यक्रमों में इंटर्नशिप शामिल है और कार्यक्रम के सफल समापन पर प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करते हैं। बी वोक (इंटीरियर डिजाइन) इस सफल मॉडल का एक उपयुक्त उदाहरण है।

उपनगरीय स्टेशन भाईदंर पर पहला स्टेनलेस स्टील ओवरब्रिज

- यह ओवरब्रिज लगभग 65 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा है
- 3 जून से यात्रियों के लिए यह ओवरब्रिज आवागमन हेतु चालु

मुंबई तरंग,
गणेश पाण्डेय । भाईदंर

विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर और अपग्रेडेशन कार्य सफलतापूर्वक किए गये हैं। पश्चिम रेलवे यात्रियों की सुविधा और संरक्षा के लिए मुंबई उपनगरीय खंड के भायंदर स्टेशन पर एक नया फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) 3 जुन से चालू कियागया है उल्लेखनीय है कि यह फुट ओवर ब्रिज पूरी तरह से स्टेनलेस स्टील से बना है और पश्चिम रेलवे पर अपनी तरह का पहला पुल है। जानकारी अनुसार भायंदर रेलवे स्टेशन (साउथ एंड) पर नया फुट ओवर ब्रिज नवीनतम संरचनात्मक सामग्री,नवीन डिजाइन के साथ निर्मित पश्चिम रेलवे पर पहला स्टेनलेस स्टील एफओबी है। इसमें सीढ़ियों पर चौड़े और आसान ढलान हैं, जिससे चढ़ने में आसानी होती है। यह फुट ओवर ब्रिज लगभग 65 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा है । यह फुट ओवर ब्रिज शुक्रवार, 3 जून से यात्रियों के लिए खोल दिया गया इस संबंध मे आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित स्टेनलेस स्टील एफओबी का निर्माण आईआरएसएम-44-एम ग्रेड स्टेनलेस स्टील के साथ किया गया है जो तटीय क्षेत्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए उपयुक्त है। स्टेनलेस स्टील के मुख्य लाभ इसका जंग प्रतिरोध होना शक्ति और स्थायित्व तथा डिजाइन में लचीला पन एवं सस्टेनेबिलिटी है । साथ ही यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और संरचना के वजन में उल्लेखनीय कमी लाने में मदद करता है। उपयोग किए गए स्टेनलेस स्टील में 10-12 प्रतिशत क्रोमियम होता है, जो जंग से लड़ने और इसे कम करने में एक प्रमुख घटक है। तटीय क्षेत्र में होने के कारण, माइल्ड स्टील (एमएस) एफओबी पर जंग बहुत अधिक लगता है और भारी संक्षारक वातावरण के कारण सभी माइल्ड स्टील एफओबी के नियमित अनुरक्षण की आवश्यकता होती है। स्टेनलेस स्टील एफओबी के लिए, हालांकि स्टेनलेस स्टील एफओबी की प्रारंभिक लागत लगभग सामान्य एमएस एफओबी की तुलना में 10% अधिक है परंतु 60 साल के जीवन काल को देखते हुए इसकी कुल अनुरक्षण लागत लगभग 40% सस्ती है। इसके अलावा, नया स्टेनलेस स्टील एफओबी अपने सेवा जीवन के दौरान नगण्य अनुरक्षण , कम जीवन चक्र लागत और कम कार्बन फूटप्रिंट के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्टेनलेस स्टील के मामले में स्ट्रक्चरल स्टील का वजन की तुलना में माइल्ड स्टील कन्वेक्शनल डिज़ाइन लगभग 30% की बचत है।

मनपा ने 7 गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची जारी की अभिभावकों को किया अगाह

मनपा मीरा भाईदंर शिक्षण विभाग की सहायक आयुक्त ने जारी की 7 स्कूलों की सूची

School Udise Code	School Name	School Management Description	Medium Description	Address
27210700281	NINE PLANETS PRE PRIMARY ENGLISH SCHOOL	UN-RECOGNISED	ENGLISH	Indralok Phase-3 Bhayandar (E)
27210700285	BORDERR HIGH SCHOOOL	UN-RECOGNISED	0	Goddev Naka, Bhayandar (E)
27210700587	TRINITY PUBLIC SCHOOL	UN-RECOGNISED	0	Kashimira, Mira road (E)
27210700588	ST DANIEL SCHOOL	UN-RECOGNISED	0	Penkarpada, Mira road (E)
27210700589	ABHILASHA HIGH SCHOOL	UN-RECOGNISED	0	Mangal Nagar, Rashmi Complex, Mira road (E)
27210700637	IQRA ISLAMIC SCHOOL AND MAKTAB	UN-RECOGNISED	ENGLISH	Naya Nagar, Ibrahim Nagar, Mira road (E)
27210700632	PRASHIK SPECIAL SCHOOL	UN-RECOGNISED	MARATHI	Indralok Bhayandar (E)

संवाददाता । भाईदंर

भारत सरकार के माध्यम से जिला शैक्षिक सूचना प्रणाली को ऑनलाइन लागू किया जाता है रहा है इस प्रणाली के माध्यम से मीरा भाईदंर मनपा शिक्षा विभाग कार्य करता है अनधिकृत और गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची प्रदीप धूमल विशेष शिक्षक एवं युडाईस प्लस के पर्यवेक्षकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर कुल सात स्कुलो को अनाधिकृत सूची जारी की गयी है जिसमे बच्चो के माता-पिता सूचीबध्द अनौपचारिक प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश नहीं देने की सलाह दी गयी है वावजूद इसके यदि इसमें फिर भी प्रवेश दिया जाता है, तो ऐसे बच्चों के शैक्षिक नुकसान के लिए माता-पिता की जिम्मेदार मानी जाएगी मीरा भायंदर मनपा शिक्षा विभाग इसके लिए कतई जिम्मेदार नहीं होगा।

इसके साथ मनपा शिक्षण विभाग द्वारा ही इन अनाधिकृत प्राथमिक विद्यालय के प्रबंधन से सार्वजनिक रूप से अपील की गयी है कि वे अपने अनधिकृत स्कूल को तुरंत बंद करें अन्यथा यदि प्रबंधन द्वारा स्कूल बंद नहीं किया जाता है,

तो संबंधित प्रबंधकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 406 और 34 के तहत आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे उक्त चेतावनी मनपा शिक्षण विभाग की सहायक आयुक्त प्रियंका भोसले द्वारा इन सात गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को दी गयी है।

मानसून पूर्व जर्जर इमारतों को मनपा ने कराया खाली

संवाददाता । भाईदंर मीरा भायंदर के मनपा वार्ड क्रमांक नंबर 4 क्षेत्र मे जर्जर इमारत को मनपा द्वारा खाली कराया गया है हालियां मे प्री मानसून की बैठक मे यह निर्णय मीरा भायंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले की अध्यक्षता में हुआ था । बैठक के दौरान सभी वार्डवार अधिकारियों और अतिक्रमण विभाग को खतरनाक भवन का स्ट्रक्चरल ऑडिट कर उनके वर्तमान स्थिति को देखते हुए निर्णय लिया जाय इसी पृष्ठभूमि में 31 मई को मीरा भायंदर नगर निगम वार्ड कमेटी नंबर 4 के तहत हाटकेश, मंगलनगर में कृष्णा कॉम्प्लेक्स चार मंजिला इमारत भवन को खाली कराकर निकासी उक्त कार्यवाही उपायुक्त (अतिक्रमण) मारुति गायकवाड़ की अगुवाई मे यह किया गया है. कार्रवाई में सहायक आयुक्त कंचन गायकवाड़, कनिष्ठ अभियंता विकास शेलके, सुदर्शन काले, लिपिक महेंद्र गावंड और महाराष्ट्र सुरक्षा बल के सुरक्षा गार्ड शामिल थे।

पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल ने टिकट जाँच मे रिकार्ड राजस्व कमाए

मई 2024 मे 12.21 करोड टिकट जाँच मे राजस्व बटोरे

मुंबई तरंग,
गणेश पाण्डेय । मुंबई

पश्चिम रेलवे अनधिकृत यात्रा पर रोक लगाने के लिए नियमित टिकट जांच अभियान चला रही है। पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल ने मई 2022 के महीने में आयोजित इस तरह की जांच अभियान के दौरान 12.24 करोड़ रुपये की वसूली करके रिकार्ड तोड राजस्व बंटोरे है उल्लेखनीय है कि मंडल द्वारा अपनी स्थापना के बाद से यह अब तक का अच्छा प्रदर्शन है

जानकारी अनुसार पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल ने मई 2022 के महीने में किए गए सघन जांच अभियान के दौरान टिकट जांच के जुर्माने के तौर पर 12.24 करोड़ रुपये की वसूली करके एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि यह राशि मई महीने के दौरान पूरे भारतीय रेलवे पर सबसे अधिक है। इस मायने में भी यह एक प्रमुख उपलब्धि है क्योंकि यह मई 2022 के महीने के लिए निर्धारित 1.26 करोड़ के लक्ष्य से काफी अधिक है और 871% की अविश्वसनीय वृद्धि को दर्शाता है। वसूल किया गया वर्तमान जुर्माना भी 9.4 करोड़ रूपए के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड की तुलना में 30% अधिक है।

मई 2022 के महीनों के लिए कुल संचयी राजस्व रु. 21.65 करोड़ रहा जो पिछले वर्ष के 2.35 करोड़ रूपए के संचयी राजस्व की तुलना में 821% अधिक है और जो एक बार फिर से अब तक का सबसे अधिक राजस्व है। दोनों महीनों में अर्जित कुल संचयी राशि भी 3 करोड़ रुपये के संचयी लक्ष्य से 622% अधिक है।

युगांडा की महिला के शरीर से निकाले गए हेरोइन और कोकेन भरे 64 कैप्सूल, कीमत तीन करोड़ रुपये

युगांडा की एक महिला को मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। महिला के पास से 535 ग्राम हेरोइन 49 कैप्सूलों में और 175 ग्राम कोकेन 15 कैप्सूलों में पैक बरामद की गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि महिला के पास से मिली हेरोइन और कोकेन की कीमत अवैध बाजार में करीब तीन करोड़ रुपये है। यह ड्रग्स उसके शरीर के अंदर थी, जिसे निकालने के लिए महिला को बायकुला में स्थित जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला को 28 मई को पहले से मिली सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया कि हमें युगांडा से एक संदिग्ध महिला के मुंबई आने की जानकारी मिली थी। महिला की पहचान करने के बाद उससे पूछताछ की गई। स्कैनिंग में पता चली शरीर के अंदर ड्रग्स होने की बात अधिकारी ने बताया कि महला के सामान की तलाशी में भी कुछ नहीं मिला। लेकिन स्कैनिंग परीक्षण में पता चला कि महिला के शरीर में भी ड्रग्स छिपी हो सकती है। लगातार पूछताछ के बाद उसने शरीर के अंदर ड्रग्स का होना स्वीकार किया, जिसके बाद उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हैदराबाद में हैवानियत

मर्सिडीज कार में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, पुलिस के रडार पर विधायक का बेटा

हैदराबाद में एक दिल-दहला देने वाली घटना सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यहां लग्जरी मर्सिडीज कार में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस सूत्रों की मानें तो इस मामले में स्थानीय विधायक का पुत्र भी शामिल है। इसके अलावा एक नाबालिग समेत कुल चार लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया है।

पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज

रिपोर्ट में बताया गया कि सामूहिक दुष्कर्म के इस मामले में विधायक पुत्र और एक नाबालिग समेत करीब चार लोग शामिल थे, जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। पीड़िता के परिजन ओर से एक जून को दी गई शिकायत में बताया गया कि जुबली हिल्स थाना क्षेत्र में बीते 28 मई को यह हैवानियत हुई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी और शुक्रवार 3 जून को इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

डीसीपी ने दिया ये बड़ा बयान

पुलिस को दी गई शिकायत में यह बताया गया था कि कुछ लड़कों ने नाबालिग लड़की को चलती कार में जबरन खींच लिया था और उसके साथ छेड़खानी करने के बाद सामूहिक दुष्कर्म किया। हैदराबाद वेस्ट जोन के डीसीपी लोएल डेविक ने बताया कि इस मामले में पॉस्को (POCSO)अधिनियम की धारा 354, 323 आईपीसी और धारा 9 आर/डब्ल्यू 10 के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के भी नाबालिग होने की आशंका है।

पीड़िता ने की एक आरोपी की पहचान

रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से कह गया है कि 17 वर्षीय पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताज भेजा गया था। डॉक्टरी जांच के बाद अब पुलिस ने दर्ज किए गए मामले को बदल दिया है और इसमें आईपीसी की धारा 376 (सामूहिक बलात्कार) को जोड़ दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की के साथ एक स्थानीय विधायक का बेटा और अल्पसंख्यक बोर्ड का अध्यक्ष मौजूद था। हालांकि, पीड़िता केवल एक आरोपी की पहचान कर और उसका नाम ले सकी है, जो कि एक नाबालिग है।

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

तेलंगाना के मंत्री केटी रामा राव ने राज्य के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली, डीजीपी और हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त से हैदराबाद बलात्कार मामले में तत्काल और कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मुंबई में कोरोना के मामले 30 गुना बढ़े, उद्धव ठाकरे की चेतावनी, लॉकडाउन नहीं चाहिए तो करें कोविड नियमों का पालन

मुंबई : मुंबई में कोविड-19 को मामले अचानक तेजी से बढ़ने लगे हैं। केसेस में तीस गुना बढ़ोत्तरी हुई है। बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार कि चिंता बढ़ गई है। सीएम उद्धव ठाकरे ने बैठक करके लोगों को अलर्ट किया है। उन्होंने कहा है कि अगर मुंबई में लॉकडाउन नहीं चाहते हैं तो जागरूक हो जाएं और नियमों का पालन करें। फरवरी के बाद पहली बार, महाराष्ट्र ने बुधवार को 1,000 से अधिक दैनिक कोविड -19 मामले दर्ज किए। राज्य भर में दर्ज किए गए 1,081 संक्रमणों में से, मुंबई में 68 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। अशोक विश्वविद्यालय में भौतिकी और जीव विज्ञान के प्रोफेसर गौतम मेनन ने कहा कि लोग फिर से संक्रमित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए संस्करण, BA.4 और BA.5, BA.2 वैरिएंट की तुलना में और भी अधिक पारगम्य हैं।

जुलाई के अंत तक केस होंगे कम!

बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल इस महीने के अंत या जुलाई की शुरुआत में कोविड-19 की संख्या कम होने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई में एक महीने से दिल्ली की तर्ज पर केसेस मिल रहे हैं। दिल्ली में किसेस बढ़े और फिर तेजी से कम हो गए। इसी तरह मुंबई में भी हो सकता है।

स्कूल खुलने पर बढ़ेंगी चुनौतियां

महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जन साधारण से अपील की है कि वे नियमों का कड़ाई

से पालन करें, अन्यथा उन्हें पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। मास्क लगाएं, टीकाकरण करवाएं, समय-समय पर हाथ धोएं और सामाजिक दूरी का पालन करें। आने वाले दिनों में स्कूल खुलेंगे, तो हमारी चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। बेहतर होगा कि सभी नियमों का पालन करें।

पॉजिटिविटी रेट 6 फीसदी

गुरुवार को कोरोना टास्क फोर्स की बैठक हुई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ प्रदीप व्यास ने राज्य में कोविड वायरस संक्रमण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। 16 अप्रैल, 2022 तक राज्य में करीब 626 सक्रिय मरीज थे। डेढ़ महीने में यह संख्या सात गुना बढ़कर 4,500 हो गई है, इनमें से 97 फीसदी मुंबई, ठाणे, पुणे में पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई की पॉजिटिविटी रेट 6 प्रतिशत है और राज्य की बढ़कर 3 प्रतिशत हो गई है।

इस मौके पर सीएम ठाकरे ने कहा कि एक बार फिर कोविड सर उठा रहा है। पिछले कुछ दिनों से मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मरीजों की आंकड़ों पर सरकार की पैनी नजर है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को मास्क पहनना शुरू कर देना चाहिए।

'सजग रहे स्वास्थ्य विभाग'

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग से कहा कि एक बार वे फिर से कोविड काल में बनाए गए फील्ड अस्पताल की जांच कर लें। राज्य में चिकित्सा कर्मचारी और आवश्यक बुनियादी ढांचा है या नहीं, इसका भी मुआयना करें। जल्द ही स्कूल शुरू हो जाएंगे।

बैठक की मुख्य बातें

-यदि पाबंदियां नहीं चाहते हैं, तो अनुशासन का कड़ाई से पालन करें

- डेढ़ महीने में सात गुना बढ़ी है मरीजों की संख्या

- मास्क का प्रयोग करें, टीका लगवाएं

-बुखार, ठंड लगना, गले में खराश होने पर तुरंत जांच करवाएं

-भीड़भाड़ वाली जगह पर मास्क का प्रयोग करें

-वरिष्ठ नागरिक टीका के साथ-साथ बूस्टर डोज लें

-स्वास्थ्य प्रणाली में बुनियादी ढांचा तैयार होना चाहिए

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।